NEWS CFM 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | सोमवार 24 जून 2024 | वर्ष-07 | अंक-1066 | पृष्ट-06 | RNI (TA) No. 2022027633

क्या प्रशासनिक बैठक में इस तरह का भेदभाव किया जा सकता है- शुभेंदु

कोलफील्ड मिरर 24 जून (कोलकाता): सोमवार को नबान्न में होनेवाली प्रशासनिक बैठक में ताहेरपुर व झालदा नगरपालिका को शामिल होने का निमंत्रण नहीं मिला है. इन दोनों नगरपालिकाओं में तृणमूल कांग्रेस का बोर्ड में नहीं है.

ताहेरपुर नगरपालिका पर वाममोर्चा व झालदा नगरपालिका पर कांग्रेस का कब्जा है, इसलिए उन्हें नहीं बुलाया गया. इसे केंद्र कर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर विरोधी दल के नेता शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी पर तंज कसा. लोकसभा चुनाव के बाद हो रही इस प्रशासनिक बैठक में कयास लगाये जा रहे हैं कि चर्चा का विषय लोकसभा चुनाव का नतीजा ही होगा. बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नगर विकास मंत्री फिरहाद हकीम भी मौजूद होंगे. इसमें नतीजों के बाद जो तथ्य उभर कर सामने आया है, उसमें एक है कि शहरी इलाके के मतदाताओं में भाजपा की पकड़ बढ़ी है. इसकी काट खोजने के लिए इस बैठक में ममता बनर्जी रणनीति बनायेंगी. इस वजह से ताहेरपुर व झालदा नगरपालिका को आमंत्रित नहीं किया गया है. इस बात को लेकर शुभेंदु लगातार हमलावर हो रहे हैं. अपने एक्स हैंडल पर शुभेंदु ने लिखा है कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र का मतलब जनता की सरकार, जनता द्वारा जनता के लिए नहीं है. यहां सब कुछ पार्टी के प्रति समर्पित है. इसका प्रमाण है दो नगरपालिकाओं को आमंत्रित नहीं करना. उन्होंने लिखा है कि नगर व नगर विकास दफ्तर के मेमो से स्पष्ट होता है कि दोनों नगरपालिकाओं को इस बैठक में प्रतिबंधित किया गया है. सबूत के तौर पर उन्होंने विभाग का मेमो तक पोस्ट किया है. इसके साथ ही लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है कि क्या प्रशासनिक बैठक में इस तरह का भेदभाव किया जा सकता है.

झालदा और ताहेरपुर नगर पालिकाओं को आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर फिरहाद हकीम ने स्पष्टीकरण दिया

कोलफील्ड मिरर 24 जून (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सोमवार को राज्य सचिवालय में बुलाई गई नगरपालिकाओं की बैठक में विपक्ष के कब्जे वाले झालदा और ताहेरपुर नगर पालिकाओं को आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर उठ रहे सवालों के बीच नगरपालिका एवं शहरी विकास मंत्री फिरहाद हकीम ने रविवार को इस पर स्पष्टीकरण दिया है। वजह बताते हुए कहा कि जिन नगर पालिकाओं में विभिन्न प्रकार की समस्याएं हैं, उन्हें ही बैठक में बुलाया गया है।

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में नगर पालिकाओं के चेयरमैन व अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। इस संबंध में राज्य के नगर निगम एवं शहरी विकास विभाग की ओर से प्रत्येक नगर पालिका को पत्र भेजा गया है। बैठक में केवल विपक्ष के कब्जे वाली दो नगर पालिकाओं झालदा और ताहेरपुर को आमंत्रित नहीं किया गया। इनमें से एक पर माकपा और दूसरे पर कांग्रेस का कब्जा है।

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को इसे लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि ममता बनर्जी सिर्फ जनहित की सरकार की बात करती हैं। उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया था कि चूंकि झालदा और ताहीरपुर नगर पालिकाएं विपक्ष के कब्जे में है इसलिए उन्हें बैठक में नहीं आमंत्रित किया गया। इस आरोप पर सफाई देते हुए फिरहाद हकीम ने कहा कि यह हमारी अपनी तकनीकी बैठक है। जिन नगर पालिकाओं को जरूरत थी, उन्हें बुलाया गया। जिन्हें जरूरत नहीं थी, उन्हें नहीं बुलाया गया। मैं बिना वजह चेयरमैनों को कोलकाता क्यों बुलाऊंगा। यह बैठक नवान्न में आयोजित होगी। जिन लोगों को नगरपालिका सेवाओं से संबंधित समस्याएं हैं, उन्हें बुलाया गया है। झालदा और ताहीरपुर नगर पालिकाओं का बेहतर तरीके से संचालन हो रहा है। ऐसे में बिना किसी कारण उन्हें क्यों बुलाना जाए?

उन्होंने आगे कहा कि उन दोनों नगर पालिकाओं से कोई भी मेरे पास ऐसी कोई समस्या लेकर नहीं आया जिस बारे में मैं मुख्यमंत्री को बताता। जो लोग समस्या लेकर आए हैं, मुख्यमंत्री उनके मामलों में हस्तक्षेप करेंगी। कांग्रेस और मागपा संचालित नगर पालिकाएं अच्छा काम कर रही होंगी, इसलिए हमने उन्हें बुलाने कि जरूरत नहीं समझी।

विद्यासागर विवि और ब्राउज स्किल्स, आईक्यूएसी ने किया प्रौद्योगिकी रुझान जागरूकता पर सेमिनार

कोलफील्ड मिरर 24 जून (खड़गपुर): विद्यासागर विश्वविद्यालय भारत के पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित एक मान्यता प्राप्त और अनुसंधान विश्वविद्यालय है, जो पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सदर मेदिनीपुर शहर में स्थित है। साइबर सुरक्षा परसेमिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के विवेकानन्द सभागार में किया गया। जहां विद्यासागर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. सुशांत कुमार चक्रवर्ती, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. डॉ. मधुमंगल पाल, कंप्यूटर साइंस एचओडी प्रो. डॉ. विश्वपति जाना समेत कंप्यूटर साइंस के अन्य प्राध्यापक एवं प्राध्यापक एवं विश्वविद्यालय कार्यालय के लोग शामिल थे। यतिराज राव, यूके के सूचना सुरक्षा निदेशक, एक्सेला टेक्नोलॉजीज सर्विसेज, अभिजीत नायर, साइबर सिक्योरिटी आर्किटेक्ट, ऑस्ट्रेलिया से नेशनल ऑस्ट्रेलिया बैंक (एनएबी), इंट्रूसेप्ट लैब के रामकृष्ण रॉय सह- संस्थापक और सीओओ, विवेकानंद रॉय, थ्रेट इंटेलिजेंस एक्सपर्ट और ब्राउजरस्किल टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक और आइडियोसिस के संस्थापक चिरंजीत नाथ आदि वर्चुअली और व अनर्चुअली उपस्थित थे।

विद्यासागर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ.सुशांत कुमार चक्रवर्ती ने कहा, इस सेमिनार के माध्यम से, शिक्षकों और युवा छात्रों की डिजिटल पहचान के संरक्षण के अलावा, इंटरनेट के उपयोग, कौशल विकास और सरकारी गतिविधियों में डिजिटल राजदूत की भागीदारी के संदर्भ में छात्रों की जागरूकता रचनात्मक है। यह आयोजन हमारे समाज के भावी नवप्रवर्तकों और वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने, एक उज्जवल और अधिक वैज्ञानिक रूप से समृद्ध दुनिया का मार्ग प्रशस्त करने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में काम करेगा। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को एथिकल हैकिंग, साइबर सुरक्षा और क्षेत्र में हाल के रुझानों जैसे डोमेन की व्यापक समझ प्रदान करना है। 300 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से और वस्तुतः भाग लिया।

एसटीएफ ने बांग्लादेश के उग्रवादी संगठन से जुड़े होने के आरोप में मानकर कॉलेज के छात्र को लिया हिरासत मे

कोलफील्ड मिरर 24 जून (दुर्गापुर): बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दो दिवसीय भारत दौरे पर आई हैं और कहा जा रहा है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने के लिए यह अहम दौरा है. इस बीच, राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने शनिवार को पश्चिम बर्दवान जिले के कांकसा थाना क्षेत्र अंतर्गत पानागढ़ के मीरपाड़ा इलाके से मो. हबिबुल्लाह को बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार उल इस्लाम के शहादत माड्यूल से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार किया है. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

जिससे थाने में एसटीएफ की टीम पूछताछ की। हालांकि पुलिस अधिकारी इस बारे में कुछ बोलने से इंकार कर रहे है।

मो. हबिबुल्लाह जिले के मानकर कालेज में कंप्यूटर साइंस के द्वितीय वर्ष का छात्र है। बताया जाता है कि उसने एक व्हाट्सएप ग्रुप खोल रखा था और उग्रवादी संगठन का प्रचार कर रहा था. आरोपी के खिलाफ कांकसा थाने में यूएपीए समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार लोगों को रविवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस मामले पर अभी तक एसटीएफ और पुलिस ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है.

बताया जाता है कि शनिवार दोपहर बाद एसटीएफ की एक टीम ने कांकसा के मीर मोहल्ले में मोहम्मद हबीबुल्लाह के घर को घेर लिया. एसटीएफ के अधिकारी घर में घुसे और हबीबुल्लाह को गिरफ्तार कर लिया. घर की तलाशी ली गई और मोबाइल फोन, लैपटॉप समेत कई दस्तावेज जब्त किए गए। इसके बाद एसटीएफ हबीबुल्लाह को कांगसा थाने ले आई। हबीबुल का घर कांकसा थाने से 500 मीटर की दूरी पर है हबीबुल्लाह को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए कांकसा थाना लाया गया. लंबी पूछताछ के बाद रात में उसे गिरफ्तार कर लिया गया. एसटीएफ के अधिकारी जांच के हित में कुछ भी नहीं कहना चाहते।

हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, एसटीएफ काफी समय से हबीबुल की हरकतों पर नजर रख रही है. सफेद कपड़ों में कुछ एसटीएफ अधिकारी कई दिनों से हबीबुल्लाह के पीछे-पीछे चल रहे थे। उन पर बांग्लादेश में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन से जुड़े होने का आरोप है. गिरफ्तारी के बाद मैराथन पूछताछ हुई। सूत्र के मुताबिक, उस पूछताछ में कुछ जानकारियां सामने आईं. एसटीएफ के अधिकारी जब्त दस्तावेजों की भी जांच कर रहे हैं,वही एसटीएफ इस बात की जांच कर रही है कि युवक किस-किस के संपर्क में रहा है और क्या इसमें कोई और भी शामिल है।

वही इस घटना को लेकर रात में तृणमूल नेता पल्लब बनर्जी को कांकसा थाने बुलाया गया. बाद में उन्होंने कहा, जहां तक मेरी जानकारी है, प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन से जुड़े होने के संदेह में छात्र से पूछताछ की जा रही है. लेकिन अगर ऐसा हुआ तो ये दुर्भाग्यपूर्ण है. यह भी सच है कि पुलिस ने इस संबंध में त्वरित कार्रवाई की है. ऐसी घटनाएं दूसरे राज्यों में अक्सर होती रहती हैं. पुलिस को मामले की जांच करने को कहा गया है.

हालांकि इलाके के लोगों का कहना है कि बचपन से ही हबिबुल्लाह पढ़ाई में होनहार था। हालांकि वह कालेज में भी कम जाता था। वह किसी से ज्यादा बात भी नहीं करता था। पड़ोसियों का कहना है कि इलाके में भी वह लोगों से ज्यादा नहीं मिलता था। कैसे वह आतंकी संगठन से जुड़ा यह भी लोगों के बीच सवाल बना हुआ है। एसटीएफ की टीम उसके पिता मो. मुन्ना व अन्य परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

साउथ ईस्टर्न रेलवे हावड़ा- जकपुर पेसेजंर्स वेलफेयर एसोसिएशन की द्वि-वार्षिक महासभा

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 24 जून (खड़गपुर): रेल परिसेवा की हालत कोरोना के काल के बाद लगातार बिगड़ती गई। लॉकडाउन हटने के बाद कई ट्रेनें हटा ली गई। जो ट्रेनें में चल भी रही है वह काफी विलंब से, खासतौर से लोकल ट्रेनें। सीमित दूरी के बीच चलने वाली लोकल ट्रेनें भी कई- कई घंटे विलंबित चल रही है। स्थिति चिंताजनक और सोचनीय है।

साउथ ईस्टर्न रेलवे हावड़ा जकपुर पेसेजंर्स वेलफेयर एसोसिएशन के द्वि-वार्षिक महासभा में यह बात प्रतिनिधियों ने कही। नारायण पाकुड़िया मुड़ाईल में आयोजित इस सम्मलेन में राज्य के मत्स्य मंत्री विप्लव राय चौधरी, संगठन के अध्यक्ष अरुप रतन साहा, सचिन अजय कुमार दलोई तथा आराधना भट्टाचार्य, चित्रलेखा सांतरा प्रमाणिक, रविन्द्र नाथ सामंत, स्वपन पाखिरा, अमल भौमिक, अज़ीज़ुर रहमान, विभास सामंत, शंभू चरण बोस, रंजीत राऊत, तथा शुभश्री जाना सहित विभिन्न भागों से आए प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अपने संबोधन में राज्य के मत्स्य मंत्री विप्लव राय चौधरी ने कहा कि कभी वे स्वयं भी दैनिक यात्री थे, इसलिए यात्रियों की समस्याओं को बखूबी जानते- समझते हैं। कहा कि बेहतर रेल परिसेवा के लिए यात्री अधिक भुगतान करने को भी तैयार हो सकते हैं, क्योंकि वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था में खर्च और अधिक होता है।

अन्य वक्ताओं ने कहा कि सिर्फ शिकायत करने से काम नहीं चलेगा । अपनी समस्याओं को लेकर लोग आवाज उठाना, अधिकारियों को फोन अथवा इंटरनेट के माध्यम से शिकायत करना भी सीखे। शिकायत करने का कई विकल्प है, उनका उपयोग अवश्य किया जाना चाहिए।

मैथन एलॉयज़ लिमिटेड की ओर से प्रायोजित दो मुक्केबाजो ने ब्रिक्स गेम्स में पदक हासिल किया

कोलफील्ड मिरर 24 जून (आसनसोल): पश्चिम बंगाल के जाने-माने उद्योगपति, समाजसेवी व मैथन एलॉयज़ लिमिटेड के सीएमडी, सुभाष अग्रवाला ने बताया कि हमारी कंपनी मैथन एलॉयज़ लिमिटेड की ओर से प्रायोजित दो मुक्केबाज़ खिलाड़ी, मीनाक्षी हूड़ा व ज्योति गुलिया ने रुस में खेले गये ब्रिक्स गेम्स में पदक हासिल किए। मीनाक्षी ने गोल्ड मेडल व ज्योति ने सिल्वर मेडल जीतकर देश का और हमारा गौरव बढ़ाया है। ये दोनों खिलाड़ी बधाई के पात्र हैं। हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी ये अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को दी गई शुभकामना

कोलफील्ड मिरर 24 जून (आसनसोल): आसनसोल राइफल क्लब में वीके ढल के नेतृत्व मे 26 जुलाई से पेरिस में शुरु होने जा रहे ओलंपिक मे भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस बारे में वीके ढल ने कहा के 26 जुलाई से पेरिस में ओलंपिक की शुरुआत होने जा रही है। उसे प्रतियोगिता में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए एक निजी बैंक के सहयोग से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया उन्होंने कहा कि उनको पूरी उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में भारत का परचम लहराएंगे और पिछले बार से भी ज्यादा पदक जीत कर लाएंगे।

वही कार्यक्रम में शिरकत करते हुए आसनसोल दुर्गापुर विकास प्राधिकरण के चेयरमैन कबी दत्ता ने कहा कि वह आसनसोल राइफल क्लब के सदस्य होने के नाते इस कार्यक्रम में आए हैं। उनको बहुत खुशी है कि भारतीय टीम को शुभकामना देने के लिए इससे कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने आसनसोल के होनहार शूटर अभिनव साव की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी छोटी सी उम्र में उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निशानेबाजी में जो नाम अर्जित किया है। उससे उन्हें अभिनव पर गर्व है और भविष्य में अभिनव को अपने खेल को और निखारने के लिए जो सहयोग की भी आवश्यकता होगी वह करने को तैयार हैं।

कोल इंडिया बोर्ड की बैठक में अनुषंगी कंपनियों के रेटिंग में ईसीएल नीचे

कोलफील्ड मिरर 24 जून (पांडवेश्वर): कोल इंडिया की बोर्ड की बैठक में सभी अनुषंगी कंपनियों के प्रदर्शन के अनुसार उनकी रेटिंग की घोषणा किया गया है, वित्तीय वर्ष 2022, 2023 के प्रदर्शन के आधार पर कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी एमसीएल ने 94.80 अंक पाकर अव्वल रही है, वही सीएमपीडीआईएल ने 94.33 अंक के साथ दूसरे नंबर पर है, बीसीसीएल का कोयला उत्पादन में बेहतर प्रदर्शन पर 94.05 प्रतिशत अंक मिला है, एनसीएल को 94 प्रतिशत अंक दिया गया है, सीसीएल को 93.30 प्रतिशत अंक मिला है, एसईसीएल ने 88.82 प्रतिशत अंक के साथ कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी ने छठा स्थान प्राप्त किया, जबकि डब्लूसीएल को 81.78अंक के साथ सातवा स्थान पर रही है, वही ईसीएल एक बार फिर पिछड़ते हुए आठवें नंबर पर 45.74 अंक ही ला सकी है, मालूम हो की जून महीना की 5 तारीख को हुई कोल इंडिया बोर्ड की बैठक में वर्ष 2022, 2023 के प्रदर्शन का रेटिंग जारी किया गया,

सर्वधर्म सामूहिक विवाह का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 24 जून (रानीगंज): जामुड़िया की सामाजिक संस्था किरण द्वारा सातवां वार्षिक समारोह के तहत थाना मोड़ स्थित ऊर्दू प्राइमरी स्कूल मे तीन जोड़ी वर वधु का सामूहिक विवाह करवाया गया. जहाँ हिंदू मुस्लिम दोनों ही धर्म के जोड़े थे. जामुड़िया बाज़ार के बंसल आवास से धूम धाम से गाजे बाजे के साथ बारात निकाली गईं, जो बाज़ार होते हुए थाना मोड़ स्थित उर्दू स्कूल जाकर समाप्त हुई और तत्पश्चात विधिवत हिंदू और मुस्लिम दोनों ही धर्म के जोड़ो का अपने अपने धर्म से विवाह और निकाह करवाया गया.

जहाँ संगीत के माध्यम से कला कृति भी दर्शायी गई. भेट स्वरूप वर वधु को पलंग, खाना पकाने के बर्तन, बाल्टी, वस्त्र, मिठाई आदि दी गईं. साथ ही भोजन की भी व्यवस्था करवाई गई. संस्था के अध्यक्ष रोहन राम रजक ने बताया की उनकी संस्था शादी विवाह के अलावा जरूरत मंदो के लिए निशुल्क भोजन, रक्त दान शिविर, कंबल वितरण आदि का भी कार्य समय समय पर करती हैं और आगे भी जारी रहेगा.

मौके पर संस्था के सचिव सलिम अंसारी, जहिर आलम, शंभू शर्मा, शमशेर सिद्दीकी, ताज मोहम्मद ख़ान, नरेश नोनिया, नरेश मंडल, शकील अंसारी के आलावा मुख्य अथिति के रूप मे टीएमसी के सत्यनारायण रवानी, कांग्रेस के विश्वनाथ यादव, कैलाश सवारिया, कैलाश अग्रवाल, लखबीर सिंह लक्खा मौजूद थे।

विधायक ने नियामतपुर लाइंस क्लब को ऐसी एंबुलेंस प्रदान किया

कोलफील्ड मिरर 24 जून (कुल्टी): विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार ने अपने फंड से नियामतपुर लाइंस क्लब को ऐसी एंबुलेंस प्रदान किया। इस संबंध में बताया जाता है कि बीते देर शाम को कुल्टी विधानसभा के नियामतपुर लायन्स क्लब द्वारा इंस्टलेशन सेरमनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में कुल्टी के विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार उपस्थित थे। इस दौरान लायंस क्लब की ओर से उन्हे सम्मानित किया गया। वही विधायक द्वारा अपने फंड से एक एसी एम्बूलेंस प्रदान किया गया। इस अवसर पर नियामतपुर लायंस क्लब के अध्यक्ष इंद्रजीत चटर्जी, सचिव लायन किशोर पटेल, इन्सटलेशन चैयरमेन लायन मनिलाल पटेल, परमेश्वर बंसल मुख्य रुप से उपस्थित थें।

इसके अलावा रुपनारायणपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, आसनसोल इस्ट, आसनसोल ग्रेटर लायन्स क्लब के सभी सदस्य, चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स, चैम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, मारवाड़ी महिला मंच, मारवाड़ी युवा मंच के सभी सदस्य उपस्थित थें। इस अवसर पर चार छात्र-छात्राओं को नकदी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

बराकर में अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन की चेतावनी बेअसर

बंटी खान

कोलफील्ड मिरर 24 जून (बराकर): चेकपोस्ट से लेकर हनुमान चढ़ाई, बराकर स्टेशन रोड तक जाम की समस्या से निदान हेतु जिला प्रशासन ने क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों को आगाह कर दिया है। लेकिन देखा जा रहा है की इसके बाद दूसरे दिन बाजार में ठीक वैसी ही स्थिती है, जैसे पहले दुकानदार फुटपाथ को घेरे बैठे थे। इसमें सड़क पर दुकान, ठेला वाले, की स्थिती वैसे ही है।

मालूम हो की शनिवार को जिला प्रशासन, आसनसोल नगर निगम, आरटीओ, एमवीआई, पीडब्लूडी, कुल्टी, बराकर पुलिस, ट्रैफिक पुलिस के आला अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से बराकर क्षेत्र में माइकिंग कर सभी को अतिक्रमण को लेकर आगाह किया था।

जहाँ बराकर चेकपोस्ट से लेकर बस स्टेंड और बैगुनिया मोड, से लेकर बराकर रेलवे स्टेशन तक अतिक्रमण पूरी तरह भरा पड़ा है। बैगूनिया मोड़ से बस स्टेंड तक सबसे ज्यादा अतिक्रमण है।

क्षेत्र में सड़क के दोनों ओर निगम की नालियों पर पूरी तरह से अतिक्रमण है। इस प्रकार की कार्यवाही आसनसोल नगर निगम, कुल्टी बोरो कार्यालय को लेकर कई बार कर चुकी है। परन्तु राजनीती को लेकर कुछ भी सफल नहीं हुआ।

क्षेत्र में दो चक्का वाहनों को खड़े देख ट्रैफिक अधिकारी चालान काट रहे है। परन्तु दुकानदारों और अतिक्रमण कारियों को दूर करने की कोई जरूरत नहीं समझते।

दुकानदार अतिक्रमण कर सड़क पर बैठा है चालान आम आदमी के वाहन का कट रहा है। बराकर में इस प्रकार की कार्यवाही कई बार हवा हवाई देखने को मिली है।

पूरा बैगुनिया मोड से बस स्टेंड हनुमान चढ़ाई तक अवैध कब्जे में अवैध धंधे संचालित है। राहगीर के लिए बस स्टेंड में लगाई गई पीने के पानी की टंकी लुप्त हो गई।

सामाजिक संस्था ह्यूमन राइट काउंसिल की बैठक

कोलफील्ड मिरर 24 जून (रानीगंज): सामाजिक संस्था ह्यूमन राइट काउंसिल की बैठक जायका भवन में आयोजित हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार जगजीत सिंह ने कहा कि संगठन का विस्तार किया जा रहा है. आसपास के क्षेत्र में भी समाज सेवा से जुड़े लोग ह्यूमन राइट काउंसिल से जुड़े हैं. उन्होंने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में लोगों की समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें, खासकर जो छोटे बच्चे स्टेशन या बस स्टैंड में भीख मांगते हुए मिले उसे बच्चों को बुनियादी सुविधा देने का प्रयास करें. उसे सरकारी स्कूल में दाखिला करवाये एवं सरकारी अस्पताल में वैक्सीनेशन की व्यवस्था करें, ताकि आगे चलकर यह बच्चा अपराध की दुनिया से निकलकर एक काबिल इंसान बन सके।

मोहम्मद एसके जाकिर ने कहा कि रानीगंज में ह्यूमन राइट काउंसिल की शाखा खोली गई है. जहां लोगों के कानूनी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा.

इस मौके पर खुर्शीद ने कहा कि मानवाधिकार आयोग द्वारा लोगों को कानूनी मदद दी जाएगी। मोहम्मद इमरान ने कहा की नई कमेटी में विभिन्न विधानसभा से कई लोगों को जोड़ा गया है।

चोरी की बाइक बिक्री करते पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तारी

कोलफील्ड मिरर 24 जून (रानीगंज): रानीगंज थाना पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल बिक्री करते हुए दो बदमाशों को चोरी के मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को रविवार को आसनसोल जिला कोर्ट में पेश किया। दोनो अपराधी झारखंड के कुमारडुबी चिरकुंडा के रहने वाले 22 वार्षीय जफर आलम और उसका साथी 26 वार्षीय मोहम्मद फारूक हसन हैं। घटना के संदर्भ में पता चला है कि शनिवार को दोनों अपराधियों ने रानीगंज के मजार शरीफ इलाके में अपनी चोरी की बाइक बेच रहा था, तभी रानीगंज पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उसकी बाइक भी बरामद कर ली। इस दिन वे पहले बाइक को तिलक रोड इलाके में एक व्यक्ति को बेचने गए, लेकिन जब वे बाइक बेचने में असफल रहे, तो वे इसे मजार शरीफ इलाके में बेचने गए, तो रानीगंज थाना पुलिस के इंस्पेक्टर विकास दत्ता को इस बारे में जानकारी मिली तो इस मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्होंने पुलिस की पीसी पार्टी की एक विशेष टीम जुटाई और बाइक तस्करों को चोरी की बाइक समेत पकड़ लिया। मालूम हो कि ये बाइक तस्कर पश्चिम बंगाल से अलग-अलग जगहों से बाइक चुराकर झारखंड के बिभिन्न इलाकों में बेचते थे और पुलिस प्रशासन को शुरुआती तौर पर लगता है कि ये तस्कर झारखंड इलाके से बाइक चुराते थे और उन बाइकों को पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में बेचते थे. माना जा रहा है कि ये बाइक चोर किसी अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़े हुए हैं और चूंकि उस गिरोह के ये दो मुख्य सरगना पुलिस के जाल में फंस गए हैं, तो माना जा रहा है कि पुलिस अन्य सभी चोरियों पर अंकुश लगाने में कामयाब होगी. इस दिन पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को आसनसोल जिला कोर्ट में पेश किया और आगे की पूछताछ के लिए उन्हें पुलिस हिरासत में लेने का अनुरोध किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया

कोलफील्ड मिरर 24 जून (कुल्टी): भाजपा विधायक कार्यालय में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। इस संबंध में बताया जाता है कि रविवार को कुल्टी मंडल दो के कुल्टी थाना का समीप स्थित विधायक कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का बलिदान दिवस पालन किया गया। जहां कई भाजपा कर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी भाजपा कर्मियों ने क्रमबद्ध तरीके से उनके तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने वालों मे भाजपा मंडल दो के अध्यक्ष मनमोहन राय जीएस सीटन चक्रवर्ती संजीव राय समीर बागड़ी महिला मोर्चा नेत्री कल्पना राय गौतम माझी अभिषेक गुप्ता मंजू साहू दीपक सिंह मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर सांकतोडिया के झालबागान स्थित भाजपा कार्यालय में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया इस अवसर पर कुल्टी मंडल एक के अध्यक्ष संजीव घोष आशीष पाथर भुवन मंडल पार्थ मंडल विद्युत झाल रवि झाल रमेश झाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सोना का गहना चमकाने के नाम पर ठगी करने वाले दो ठग गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 24 जून (अंडाल): सोना चमकाने का नाम पर सोना हड़प कर फरार दो ठगों को अंडाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, दोनों का नाम अमित कुमार शाह और अमित शाह हैं. दोनों को सोना चमकाने के नाम पर सोने के आभूषण हड़पने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. दोनों को रविवार कोर्ट में पेश किया गया।

शुक्रवार को अंडाल बाजार और अंडाल मोड़ से सटे रिहायशी इलाके में सोने के आभूषण चमकाने का झांसा देकर दो महिला से ठगी की. दोनों ने थाने में शिकायत दर्ज करायी. अंडाल थाना रोड निवासी वैशाखी भट्टाचार्य नामक महिला की अंगूठी चमकाने के नाम पर दोनों ठगों ने अंगूठी लेकर फरार हो गया। इसके बाद दोनों ने अंडाल मोड़ से सटे गीतांजलि हाउसिंग इलाके में एक कार के गैरेज में मिंदा कौर नाम की एक वृद्ध महिला अपने बेटे और पोते की अनुपस्थिति में गैराज में बैठी थी। दोनों ठग उनकी सोने की कान की बालियां चमकाने के बहाने उन्हें भी लेकर भाग गए। ठगी की पूरी वारदात गैराज के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. दो युवकों को दुकान में आते-जाते देखा जा रहा था। वे जींस पैंट शर्ट और जूते पहने हुए थे। एक के कंधे पर साइड बैग था। शिकायत मिलने के बाद अंडाल थाने की पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर जालसाजों पर नजर रखनी शुरू कर दी. शनिवार की रात करीब 12 बजे दोनों युवक बाइक से अंडाल मोड से उखरा की ओर आते दिखे। पुलिस ने उनका पीछा किया. वे दक्षिणखण्ड के एक गांव में आये और दोनों ठग को पकड़ लिया। दोनों को रविवार को दुर्गापुर हाईकोर्ट में पेश किया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने का अनुरोध किया जाएगा.

अड्डा की जमीनों पर अवैध कब्ज़ा करना अब होगा मुश्किल, हेल्पलाइन नंबर जारी

कोलफील्ड मिरर 24 जून (आसनसोल): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देशानुसार आसनसोल-दुर्गापुर विकास प्राधिकरण (अड्डा) अधिकृत जमीनो पर अवैध कब्जा करने वालों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए अड्डा के नवनियुक्त चेयरमैन कवि दत्ता ने आसनसोल और दुर्गापुर के लिए अलग-अलग हेल्पलाइन नंबर जारी किया है।

कवि दत्ता पदभार ग्रहण करते ही एडीडीए के जमीन पर अवैध कब्जा को लेकर सख्त दिखे थे। दुर्गापुर और आसनसोल में एडीडीए के जमीन पर अवैध कब्जा रोकने के लिए एडीडीए की ओर से दो अलग -अलग दुर्गापुर के लिए हेल्पलाइन नंबर 9046223650 और आसनसोल के लिए हेल्पलाइन नंबर 9046223651 जारी किया गया है। यह नंबर 25 जून से सक्रिय होगा।

कवि दत्ता ने कहा दुर्गापुर के सिटी सेंटर ही नहीं बल्कि जो जहां पा रहा हैं, वहां कब्जा कर ले रहा है, अवैध कब्जा रोकने के लिए सभी को जागरूक होना होगा और लोगों को समाजिक रूप से सचेत होना होगा। एडीडीए के जमीन पर कब्जा रोकने के लिए दुर्गापुर और आसनसोल के लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है, जो आगामी मंगलवार से सक्रिय होगा। यदि कोई एडीडीए के जमीन पर अवैध कब्जा देखकर हेल्पलाइन नंबर पर सूचित करेगा तो एडीडीए अवैध कब्जा रोकने के लिए उचित कदम उठाएगी।

इस्पात नगरी दुर्गापुर के सिटी सेंटर स्थित बस स्टैंड और आसपास के इलाके में एडीडीए की जमीन पर अवैध कब्जा करके छोटी-छोटी गुमटी, दुकान, कोलकाता, सिलीगुड़ी, दीघा, पुरी जाने वाले वाल्वो बसों का टिकट काउंटर बनाया गया है। सिटी सेंटर में एडीडीए के जमीन पर कब्जा कर बनाए गए अवैध काउंटरों और दुकानों से जहां एक ओर शहर के हृदयस्थली की सुंदरता पर दाग लग रहा है, वहीं दूसरी ओर आम लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सिटी सेंटर के गांधी मोड़ से लेकर एबीएल मोड, कविगुरु, दुर्गापुर सिनेमा के आसपास के इलाके में, डीएमसी मोड़ से लेकर विदिशा इलाका तक फुटपाथ पर कब्जा है। आसनसोल में सुगम पार्क से लेकर बीपीएल कॉलोनी तक तो एडीडीए की जमीन भू माफियाओं ने बेच दी है. यहां तो कई बस्तियां बसी हुई. बड़ा सवाल है कि क्या एडीडीए उनपर कार्रवाई कर पायेगा।

सीवाईपीएल प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन, पार्षद संजय नोनिया ने किया उदधाटन

कोलफील्ड मिरर 24 जून (नियामतपुर): आसनसोल नगर निगम के 100 नंबर वार्ड स्थित चीनाकुड़ी यूथ संघ के द्वारा आईपीएल के तर्ज पर सीवाईपीएल प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा रहा है। इस लीग में कुल 8 टीमें भाग लेगी। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन रविवार को चीनाकुड़ी तीन नंबर फुटबॉल मैदान में मुख्य अतिथि 58 नंबर वार्ड के पार्षद संजय नोनिया ने बल्लेबाजी कर किया। इसके पहले आयोजको द्वारा मुख्य अतिथि संजय नोनिया को पुष्पपुंज देकर और अंगापट्टिका ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस मौके उन्होंने पौधारोपण भी किया गया। राष्ट्रीय गान से उद्घाटन समारोह शुरू किया गया। उद्घाटन मैंच इंद्रनील एकादश और डीजे अजय एकादश के बीच खेला गया। अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय किया। मौके पर मुख्य अतिथि के साथ सुजीत सिंह, बिनोद साव, श्रवण नोनिया, अजित नोनिया, उपस्थित थे।

इस अवसर पर संजय नोनिया ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आईपीएल के तर्ज पर सीवाईपीएल क्रिकेट लीग का आयोजन किया गया है। इसके लिए आयोजक धन्यवाद के पात्र हैं। उन्हें आज मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया है। ऐसे आयोजनों से खेल को बढ़ावा मिलता है। खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है, ऐसे आयोजन के लिए हम हमेशा आयोजको के साथ खड़े रहेंगे।

वही आयोजक प्रमोद चौहान ने कहा कि यह प्रीमियर लीग में कुल 8 टीमे भाग ले रही हैं। इस टूर्नामेंट में 10-10 ओवर का मैच होगा।

इस मौके पर अजय नोनिया, प्रमोद चौहान, विकास नोनिया के अलावा यूथ संघ के कई सदस्य उपस्थित थे।

नितुरिया में माटी श्रृष्टि परियोजना के तहत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 24 जून (पुरुलिया): नितुरिया प्रखंड के हसापाथर में माटी श्रृष्टि परियोजना के तहत एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर नितुरिया प्रखंड के कृषि पदाधिकारी परिमल बर्मन, विधानचंद्र कृषि विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुजय दीवानजी, नितुरिया पंचायत समिति के सभापति शांतिभूषण प्रसाद यादव, कार्य निदेशक मोहम्मद याकूब, रायबांध ग्राम पंचायत के मुखिया, उप मुखिया समेत कई लोग उपस्थित थे.

परिमल बर्मन ने कहा कि हमारे जिले में वर्षा अनिश्चित और अनियमित है। सिर्फ धान की खेती पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है. ऐसी फसलों का चयन करना चाहिए जिनमें पानी की कम आवश्यकता होती है। इसलिए क्षेत्र में मक्का एवं बादाम की खेती की योजना लाइ गई है।

बिधानचंद्र कृषि विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुजय दीवानजी ने कहा कि वर्षा आधारित खेती में जोखिम हैं, लेकिन खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फसल की खेती में विविधता लानी चाहिए। फसल की किस्मों का चयन करना आवश्यक है।

नितुरिया पंचायत समिति अध्यक्ष शांतिभूषण प्रसाद यादव ने कहा कि किसानों के सर्वांगीण विकास में पंचायत समिति सदैव किसानों के साथ खड़ी रहेगी. इसलिए माटी श्रृष्टि परियोजना के तहत आज इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है, ताकि कृषको को उचित फसलो और उसकी खेती के बारे में जानकारी मिल सके.

शिविर में शांतिभूषण प्रसाद यादव ने किसान लाभुक संध्यामणि टुडू, पंसाखी मुर्मू, कार्तिक सिंह, उत्तम गोप को मकई और ज्वार के बीज सौंपे. ये बीज पाकर वे बहुत खुश हुए, कृषि विभाग को उम्मीद है कि ये सभी माटी श्रृष्टि परियोजना क्षेत्र में मक्का और ज्वार की खेती कर जीवन यापन करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगे।

आज का राशिफल

24 जून 2024
सोमवार

कोलफिल्ड मिरर

मेष
दिन शुभ रहेगा. व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में उन्नति करेंगे। निवेश लाभप्रद रहेगा। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होगी।

वृषभ
दिन अच्छा रहेगा. व्यावसाय मे बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। दूसरों के काम में दखलंदाजी न करें।

मिथुन
दिन ठीक रहेगा. मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क
दिन मुश्किल भरा रहेगा। घर में अशांति रहेगी। कार्य में व्यवधान आयेगा। आय में कमी और कार्यभार अधिक रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। जोखिम के कार्य टाल दे।

सिंह
दिन बढ़िया रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कन्या
दिन उत्तम रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

तुला
दिन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक
दिन मिलाजुला रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता में रहेंगे।

धनु
दिन अच्छा रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। आज जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर
दिन उत्तम रहेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। घर परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ
दिन ठीक ठाक रहेगा। क़ानूनी कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यक्रम में भाग ले सकते है।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। छोटी गलती से समस्या बढ़ सकती है।

बुरुडीह डैम को बेहतरीन पर्यटन स्थल के रूप विकसित करना प्राथमिकता- चम्पाई सोरेन

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने आज पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित बुरुडीह डैम का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने अवलोकन के क्रम में बुरुडीह डैम को राष्ट्रीय स्तर पर एक बेहतरीन पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने को लेकर अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश दिए। मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार राज्य के कई नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने हेतु प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्रकृतिक सुंदरता के दृष्टिकोण से एक बहुत ही आकर्षक राज्य है।

यहां पर्यटन की प्रबल संभावनाएं हैं यही कारण है कि हमारी सरकार राज्य में चिन्हित कई धार्मिक, आध्यात्मिक स्थलों सहित पहाड़, डैम, फॉल आदि आकर्षक जगहों को विकसित करने के उद्देश्य से कार्य योजना बना रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आंदोलन के समय ही व्यक्तिगत रूप से मैं जंगल से घिरे हुए इस ऐतिहासिक बुरुडीह डैम की खूबसूरती से परिचित हूं, इस डैम का सर्वांगीण विकास हो, यह पहले से ही मेरे मन में था। इस डैम का पानी बुरुडीह आस -पास क्षेत्र के किसान वर्ग को मिले इसी उद्देश्य से हमारी सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हर सेक्टर में विकास की एक लम्बी लकीर खींचने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुरुडीह डैम का सौंदर्यीकरण कार्य सहित राष्ट्रीय स्तरीय पर्यटन के सभी जरूरी व्यवस्थाओं को एक निश्चित समय सीमा के अंदर पूरा करना सुनिश्चित यह राज्य सरकार का लक्ष्य है। यहां गेस्ट हाउस, खेल मैदान, पार्क निर्माण इत्यादि सभी कार्य प्राथमिकता के तौर पर किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से लोग इस पर्यटन स्थल में आकर यहां की खूबसूरती का आनंद ले सकें, इस निमित्त डैम को कनेक्ट करने वाला सड़क सहित बिजली, पानी और पर्यटकों के ठहरने की पूरी सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुरुडीह डैम को विकसित कर घाटशिला क्षेत्र को एक नई पहचान देनी है। मौके पर मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण किया तथा पेड़ों में रक्षासूत्र बांधकर वृक्ष को संरक्षित करने का संदेश भी दिया।

मुख्यमंत्री ने अवलोकन के दौरान अधिकारियों से राज्य सरकार द्वारा बुरुडीह डैम में किए जाने वाले कार्य योजना की विस्तृत जानकारी ली। मौके पर मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग, वन विभाग और पूर्वी सिंहभूम जिला के अधिकारियों को बेहतर तालमेल और समन्वय बनाकर बुरुडीह डैम के विकास कार्य को निश्चित समय सीमा के अंतर्गत मूर्त रूप देने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर घाटशिला विधायक श्री रामदास सोरेन, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, वरीय पुलिस अधीक्षक जमशेदपुर किशोर कौशल सहित संबंधित विभाग के वरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वेतनमान सहित विभिन्न मांगों के पूरा नहीं होने से राज्य के सहायक अध्यापक आक्रोशित

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य इकाई की बैठक रांची के मोराबादी मैदान में आयोजित की गई, बैठक की अध्यक्षता विनोद तिवारी ने की, बैठक में प्रमुखता से यह बात छन कर आई कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी ने सरकार बनने के तीन माह में वेतनमान देने वायदा सवा चार वर्षों में भी पूरा नहीं किया.

पिछले चार माह से राज्य में चंपई सोरेन जी की सरकार है, जो स्वयं को हेमंत पार्ट 2 कहते हैं लेकिन इसमें भी पारा शिक्षकों का कुछ काम नहीं हुआ, वर्तमान समय में राज्य के 62 हजार पारा शिक्षक सरकार बनने के साढ़े चार वर्ष बीतने के बावजूद वेतनमान नहीं मिलने, ईपीएफ तथा अनुकंपा नहीं मिलने, आंदोलन के क्रम में रघुवर सरकार द्वारा किए गए केस वापसी नहीं होने सहित विभिन्न मांगों की पूर्ति नहीं होने से आक्रोशित हैं.

संघर्ष मोर्चा के राज्य इकाई के सभी पदाधिकारियों, जिलाध्यक्ष, जिला सचिव, सक्रिय साथियों के विचार के पश्चात अपनी मांगों की पूर्ति के लिए उलगुलान का निर्णय लिया गया, एवम आंदोलनात्मक गतिविधियां तय की गई जो निम्नवत हैं:-

(1) 26 जून 2024 को सभी मंत्रियों एवं सत्ता पक्ष के सभी विधायकों को मांग पत्र,

(2) 30 जून हुल दिवस के अवसर पर राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालय में मशाल जुलूस,

(3) 08 जुलाई को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में जिला इकाई द्वारा मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन,

(4) 20 जुलाई से मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव,

इसके बावजूद मांगें पूरी नहीं हुई तो मोर्चा की बैठक कर शैक्षणिक हड़ताल के साथ सभी विद्यालयों में तालाबंदी का निर्णय लिया जाएगा.

बैठक में राज्य इकाई के बिनोद बिहारी महतो, संजय दुबे, सिंटू सिंह, सिद्दिक शेख, हृषिकेश पाठक, सुमन कुमार, विकास चौधरी, निरंजन दे, सुशील पांडेय, बेलाल अहमद, बैजनाथ महतो, मो0 शकील, नारायण महतो, भागवत तिवारी, तुलसी महतो, जसीम अंसारी, कृष्णा पासवान, चंदन मेहता, जया रानी कुंवर, नेली लूकस, शेखर सिंह, दीपक पाण्डेय, रविंद्र सिंह, मनोज घोष, अरविंद प्रताप देव, मोतीलाल टुडू, समोधि यादव आदि सहित सैकड़ों सांगठनिक पदधारी एवं सदस्यगण शामिल थे.

ट्रांसपोर्टर और सेल प्रबंधन मरम्मत और स्ट्रीट लाइट लगवाने पर दे ध्यान

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): चासनाला जर्जर सड़क की वजह से राहगीरों को हो रही थी समस्या, ट्रांसपोर्टर और सेल प्रबंधन मरम्मत और स्ट्रीट लाइट लगवाने पर दे ध्यान, बंभोली सिंह ने मांग किया था उनका प्रयास रंग लाया स्ट्रीट लाइट तो नही लगा पर जर्जर मार्ग की मरमती कार्य चालू हैं। स्थानीय अधिकारीयों के देखरेख की अभाव में हो रही भारी अनियमतित्ता। दामोदर नदी से अवैध खनन कर चोरी किया हुवा मिलावटी मिट्टी, मोटे कंकर युक्त बालू का उपयोग उक्त मार्ग निर्माण कार्य में किया जा रहा है जो जांच का विषय है। भारतीय सर्वजन पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष दिलीप पांडे ने बताया की सेल बीएसएल कोलियरी डिविजन चासनाला में अधिकतर कार्यों में भ्रष्टाचार चरम पर है कुछ वर्ष होते नहीं है कि सेल अस्पताल हो, सड़क हो नाली हो, क्वार्टर रिपेयरिंग, गेट निर्माण, साइडिंग बाउंड्री, ओपन कास्ट प्रोजेक्ट वॉल या कोई भी कार्य हो उसका पोल खुल जाता है. चासनाला कोल वाशरी को जाने वाली मार्ग मे गड्ढे हैं जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगो द्वारा जब भारी विरोध किया जाता था तो स्थानीय प्रबंधन द्वारा खानापूर्ति हेतु पत्थर मिट्टी बालू गिरा कर भर दिया जाता हैं। ढाल के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ हो रही है बताते चलें कि चासनाला के के गेट से होकर वाशरी को जानें वाली सड़क का निर्माण वर्ष 1995 में मैसेज हीरक ठेकेदार द्वारा करवाया गया था उसके बाद अभी कुछ वर्ष पूर्व ही करोड़ों की लागत से सड़क का निर्माण दुसरे ठेकेदार से करवाया गया। बड़े वाहनों के चलने से सड़क की स्थिति बहुत ही जर्जर और दयनीय हो गई थी। धनबाद कांग्रेस जिला महासचिव बंभोली सिंह ने बताया की पहले भी कई बार सेल प्रबंधन के साथ यूनियन की वार्ता हुई, पाथरडीह थाना शांति समिति दुर्गा पूजा बैठक में भी प्रबंधन द्वारा भराई और स्ट्रीट लाइट लगवाने की बात हुई पर सड़क किनारे स्ट्रीट लाइट या भराई नही किया गया था दुर्घटना होती रहती थी। अब सड़क अच्छे से बन जाए तो स्थानीय लोगो में खुशी का माहौल रहेगा।

बीसीसीएल द्वारा जलापूर्ति के लिए बिछाए गए पाइप की चोरी करते चार गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): अपराध नियंत्रण एवं चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण हेतु एसएसपी के सख्त निर्देश पर आसुचना संकलन के क्रम में कल 22.06.2004 को पहाड़ी के समीप कुछ अज्ञात चोरों के द्वारा बीसीसीएल के द्वारा पानी को लेकर बिछाये गये पाइप को गैश कटर से काट कर चोरी किया जा रहा है। इस सूचना से वरीय पदाधिकारी को अवगत करा कर सिन्दरी डीएसपी से प्राप्त निर्देश के आलोक में थाना प्रभारी तिसरा के नेतृत्व में टीम बनाकर के छापामारी हेतु भेजा गया, छापामारी के क्रम में तिसरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत जैसे ही गोल्डेन पहाड़ी के पास पहुँचा, पुलिस के गाड़ी को देख चोर भागने लगे जिसको पिछा कर कुल 04 (चार) चोरों को पकड़ा गया है। पकड़ाये लोगों के अनुसार पाईप, तथा काटा गया लोहा को बरामद किया गया है। इस संबंध में तिसरा थाना कांड सं0-55/24, दिनांक- 23.06.2 379/411-34 भादवि दर्ज किया गया है। काण्ड में गिरफ्तार अपराधकर्मी 1. बादल महतो उम्र-32 वर्ष, पे•-शांतिराम महतो 2. सुभाष चन्द्र महतो उम्र 34 वर्ष, पे०- विनोद महत्तो 3. जितेन्द्र महतो उम्र-30 वर्ष, पे०- शंम्भु महतो 4. उमेश कुमार महतो उम्र- 28 वर्ष, पे०- विद्याधर महतो, सभी ग्राम- कुसमाटाड़, थाना-बलियापुर, जिला- धनवाद को गिरफ्तार किया छापामारी में जप्त समानों की विवरणी (1) एक छोटा ऑक्सीजन सलेण्डर 2.5 फीट का (2) गैस कट्टर पाईप निले एव गुलाची रंग का 15 फीट का गैस पाइप जिसके एक सिरे में गैस मीटर लगा हुआ (3) लाल पाईप में एक सिरे में लाल रंग का रेगुलेटर लगा हुआ तथा पाईप में लगा हुआ लोहा काटने वाला गैस कटर (4) लोहे का करीब 6 इंच गोलाइ का पाईप एम०एस० पाईप छापामारी टीम में 1. थाना प्रभारी सुमन कुमार तिसरा थाना 2. पु०अ०नि० स्वामल उराँव 3. पु०अ०नि० मृत्यंजय तिवारी 5. स०अ०नि० राजनाथ सिंह एवं तीसरा पुलिस सटेशन के सशस्त्र बल साथ थे।

पूर्व सांसद स्वर्गीय ए.के. राय की पुण्यतिथि को लेकर हुई बैठक

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): रविवार को झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति का एक बैठक एल सी रोड हीरापुर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने किया। उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड सरकार के आदेश अनुसार झारखंड मे सरकारी विद्यालयों में क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई करना अनिवार्य है, इसके बावजूद किसी भी विद्यालय में बांग्ला पढ़ाया नहीं जा रहा है,

इसी के खिलाफ में पिछले दिनों निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा से हम लोग मिले, जिस पर उन्होंने बांग्ला पढ़ाई हर हाल में कराने के लिए आश्वासन दिया। साथ ही सम्राट चौधरी ने कहा कि झारखंड में 40% से ऊपर बांग्ला भाषा के लोग रहते हैं लेकिन अभी तक बांग्ला लोगो का समुचित उत्थान नहीं हो पाया है, बांग्ला भाषा का पढ़ाई जब तक सुचारू रूप से चालू नहीं होता तब तक हम लोगों का आंदोलन जारी रहेगा।बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 21 जुलाई धनबाद के पूर्व सांसद स्वर्गीय ए.के. राय की पुण्यतिथि एवं 11 अगस्त को एवं शाहिद खुदीराम बोस की शहादत दिवस एल सी रोड हीरापुर में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से समिति के जिला सचिव राणा चट्टराज, कल्याण भट्टाचार्य, कल्याण घोषाल, बादल सरकार, टनी बनर्जी, सुशोभन चक्रवर्ती, कल्याण राय, पार्थो सेनगुप्ता, जय्दीप बनर्जी, सुमंतो मुखर्जी, रघुनाथ राय, उमेश रजवाड़, लालन पाल आदि लोग शामिल थे।

नीट पेपर लीक घोटाला के खिलाफ कांग्रेस का जुलूस व पुतला दहन कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): नीट पेपर लीक घोटाला के खिलाफ रविवार को धनबाद कांग्रेस ने जुलूस निकालकर रणधीर वर्मा चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष सिंह व शमशेर आलम सहित अन्य कर रहे थें। रणधीर वर्मा चौक पर पुतला दहन के पश्चात आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने इस मामले में नीट के निदेशक पर कोर्ट से हुई कार्रवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट की प्रशंसा की। उन्होंने इस घटना को शैक्षणिक जगत की एक बड़ी घोटाला की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि ऐसा करके देश के लगभग 24 लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। इस मामले में निष्पक्ष जांच करके दोषियों को न केवल सार्वजनिक किया जाए बल्कि उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। कार्यक्रम में शामिल अन्य मुख्य लोगों में राम गोपाल भुवानिया, रवि रंजन, अशोक लाल, नवदीप नीरज, लक्ष्मण तिवारी, राजेश्वर सिंह यादव, अक्षयवर प्रसाद, योगेंद्र सिंह योगी, जावेद राजा, महेंद्र दुबे, सोनू, हरेंद्र शाही, संजय जयसवाल, दिलीप मिश्रा, गुड्डू खान, आसिफ, राहुल राज, आशीष सिन्हा, दिनेश यादव, दिलीप मिश्रा, इम्तियाज अली, मृत्युंजय सिंह, राहुल राज, सेफुददीन अंसारी, कार्तिक घोष, डेविड सिंह, जयप्रकाश चौहान, मो. प्रिंस, पवन यादव, विशाल रावत, पिंटू तुरी, गेरूल हसन, प्रीतम रवानी, राजीव पांडेय, अनिल राय, मालूम खान, रुद्र प्रताप सिंह, छोटू सिंह, विजय राम, सुरेश सिंह तथा सैयद अहमद आदि उपस्थित थें।

बीसीसीएल वर्कशॉप में लाखों की लूट मामले का धनबाद पुलिस ने किया खुलासा

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): कतरास, पुलिस ने लूट के मामले में दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है, गिरफ्तार अपराधियों में कासिम अंसारी और अमजद अंसारी शामिल है, वर्कशॉप से लूटी गई लाखों की कीमती सामग्री भी पुलिस ने आरोपियों के पास से बरामद किया है, गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, विगत 19 जून को आंगारपथरा ओपी क्षेत्र में संचालित वर्कशॉप में हुई थी लूट बाघमारा एसडीपीओ आनंद ज्योति मिंज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तार से जानकारी दी, एसडीपीओ ने बताया कि 19 जून की रात्रि आंगारपथरा ओपी क्षेत्र में संचालित बीसीसीएल एरिया चार के अंगारपथरा वर्कशॉप में लूट की घटना को अंजाम दिया गया था. हथियारबंद अपराधियों ने वर्कशॉप में घुसकर कोल कर्मियों के साथ मारपीट कर बंधक बना लिया था और लाखों का सामान लूट लिया था. जोगता थाना क्षेत्र से हुई आरोपियों की गिरफ्तारी शिकायत मिलने के बाद पुलिस एफआईआर दर्ज कर कांड के उद्भेदन के लिए एक विशेष टीम गठित की. गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जोगता थाना क्षेत्र में छापेमारी की और दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया, दोनों आरोपियों की निशानदेही पर लूट की सामाग्री बरामद कर ली गई है. गिरफ्तार अपराधियों के नाम कासिम अंसारी और अमजद अंसारी हैं. दोनों जोगता थाना क्षेत्र जोगिया पट्टी के रहने वाले हैं. लूट की घटना में इन दोनों अपराधियों के साथ अन्य पांच से छह लोग शामिल थे।

सौर ऊर्जा की ओर पूर्व मध्य रेल के बढ़ते कदम

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): पूर्व मध्य रेल द्वारा एक जीरो कार्बन उत्सर्जन मिशन की दिशा में सार्थक कदम उठाते हुए प्रचलित उर्जा के प्रयोग को कम करने और सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु कई स्टेशनों एवं प्रशासनिक भवनों तथा समपार फाटकों पर सोलर सिस्टम लगाया गया है। वर्तमान में पूर्व मध्य रेल में पांचों मंडलों एवं मुख्यालय, हाजीपुर में कुल 2197.52 केडब्लूपी क्षमता का सोलर पैनल लगाया जा चुका है। इन सोलर पैनलों से वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 18.54 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ जिससे बिजली बिल के मद में 77.81 लाख रूपये की बचत हुई।

इनमें मुख्य रूप से महाप्रबंधक कार्यालय भवन, हाजीपुर में 510.4 केडब्लूपी तथा दानापुर के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय एंड हॉस्पीटल में 500 केडब्लूपी क्षमता के सोलर प्लांट स्थापित है। इसी तरह गया मेमू शेड में 272 केडब्लूपी, पाटलिपुत्र स्टेशन पर 140 केडब्लूपी तथा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन, सोनपुर में 110.4 केडब्लूपी क्षमता के सोलर प्लांट कार्य कर रहे हैं।

समस्तीपुर मंडल के 30 स्टेशनों यथा- जयनगर, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, मोहम्मदपुर, ककरघाटी, टेक्टर, तारसराय, भैरापट्टी, अलीनगर टोला, रूपौली, जोगिआरा, राजनगर, पण्डौल, हरपट्टी, सोनबरसा कचहरी, रामभद्रपुर, चमुआ, परसौनी, मुरलीगंज, रून्नी सैदपुर, डुमरा, बाजपट्टी, कमतौल, मुक्तापुर, किशनपुर, हायाघाट, मनीगाछी, बिरौल एवं लोहना रोड स्टेशन तथा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में कुल 222.38 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट लगाया गया है। दानापुर मंडल के 07 स्टेशनों यथा- पाटलिपुत्र, फुलवारीशरीफ, पटना साहिब, फतुहा, बख्तियारपुर, बाढ़, राजगीर स्टेशनो तथा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, सेंट्रल हॉस्पीटल एवं पटना पावर हाउस में कुल 862.4 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट लगाया गया है। धनबाद मंडल के 08 स्टेशनों यथा- नेसुब गोमो, गढ़वा रोड, पारसनाथ, हजारीबाग, गझंडी, बरकाकाना, नगर उंटारी एवं सिंगरौली स्टेशनों पर कुल 85.94 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट लगाया गया है। पं.दीनदयाल उपाध्याय मंडल के 07 स्टेशनों यथा-फेसर, कजरत नावाडीह, इस्माइलपुर, चिरैलापौथू बिहार, बगहा बिशुनपुर, गुरारू, जाखीम स्टेशनों पर तथा वैगन केयर सेंटर/ डीडीयू, मेमू शेड/गया एवं सिक लाईन/गया में कुल 386 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट कार्य कर रहा है। सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन एवं पहलेजा स्टेशन पर कुल 130.4 केडब्लूपी क्षमता का तथा महाप्रबंधक कार्यालय, हाजीपुर में 510.4 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट कार्य कर रहा है।

इसके साथ ही पूर्व मध्य रेल के पांचों मंडलों के कुल 260 स्टेशनों, 120 अन्य भवनों तथा 116 समपार फाटकों पर कुल 9432 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट लगाने का कार्य प्रगति पर है। इनमें दानापुर मंडल में 39 स्टेशन, 30 अन्य भवनों तथा 20 समपार फाटकों पर कुल 2630 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट; सोनपुर मंडल में 60 स्टेशन, 14 अन्य भवनों तथा 16 समपार फाटकों पर कुल 1375 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट; समस्तीपुर मंडल में 50 स्टेशन, 28 अन्य भवनों तथा 80 समपार फाटकों पर कुल 1027 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट; धनबाद मंडल में 91 स्टेशन एवं 39 अन्य भवनों पर कुल 3760 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट; पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 20 स्टेशन एवं 09 अन्य भवनों पर कुल 640 केडब्लूपी क्षमता का सोलर प्लांट लगाने का कार्य विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।

विदित हो कि स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्रचलित ऊर्जा का कम-से-कम प्रयोग करना आवश्यक है। सोलर ऊर्जा से एक ओर जहां बिजली खरीदने में होने वाले व्यय को कम करते हुए राजस्व की बचत हो रही है वहीं दूसरी ओर स्वच्छ पर्यावरण बनाये रखने में भी सहायक सिद्ध होगी।

चोरी के पांच बाइक बरामद, साथ ही चार सातिर चोर गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): तिसरा, रविवार को धनबाद जिलें के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दन के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों पर नकेल कसने व सलाखों के पिछे भेजने व घटनाओं पर नियंत्रण के लिए लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत धनबाद में बाइक चोरी की वारदात में तिसरा थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। 21 जून 2024 को गुप्त सूचना के आधार पर तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार एवं घनुआडीह ओपी प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में टीम बनाकर छापामारी किया गया। जिसमें पांच बाइक लिफ्टर को गिरफ्तार किया गया था, जो बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया करते थे। जिसके पश्चात अभियुक्तों के निशानदेही पर 12 चोरी की मोटर साइकिल को बरामद किया गया और 5 अपराधियों को पकडने में पुलिस को अच्छी सफलता मिलीं थीं। पकड़े गए अपराधियों के बयान पर लगातार छापामारी जारी है।

गुप्त सूचना के आधार पर एक टीम बना कर 22 जून को राणा सिंह उर्फ रजनीश सिंह को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त के निशानदेही पर 3 और मोटरसाईकिल चोरों में रोहन सिंह, विजय महतो और विश्वनाथ रवानी को अलग अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया। वहीं 5 मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया। उक्त बातें सिंदरी डीएसपी भूपेंद्र कुमार राउत ने तिसरा थाना परिसर में प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। प्रेस वार्ता मे सर्किल इंस्पेक्टर उषा रानी सामिल थी। छापेमारी टीम में तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार मृत्युंजय तिवारी, ताला मरांडी, राजनाथ सिंह अशोक तिवारी व तिसरा थाना सशस्त्र बल के अलावे घनुआडीह ओ पी प्रभारी पवन कुमार शामिल थे का योगदान सराहनीय रहा।

एक सप्ताह के अंदर दो बार में 17 बाइक बरामद की गई वहीं 9 बाइक चोरों को सलाखों के पिछे भेजने में तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार व तिसरा पुलिस बल की सराहनीय कार्य की लोगों में चर्चा हों रहीं हैं। जो सभी बधाई के पात्र हैं।

मोटरसाईकिल की चोरी से आम जनता तो तरस्त हैं ही, चोरों द्वारा पुलिस और पत्रकार को भी नहीं बक्शा गया हैं। 10 वर्षों के अंदर अशोक कुमार श्रीवास्तव पुर्व अध्यक्ष- कोयलांचल पत्रकार संघ धनबाद का तीन मोटरसाईकिल चोरी कर लिया गया हैं, जो आज तक मरामद नहीं हो पाई हैं।

एक मोटरसाईकिल नार्थ तिसरा मिडिल स्कूल के पास सें दुसरा धनबाद हिरापुर जेसी मल्लीक रोड से और तीसरी मोटरसाईकिल दो वर्ष पूर्व बैंक मोड़ स्थित एस आई एस आई बैंक के नीचे सें चोरी हो गई थीं। तीनो का एफआईआर दर्ज कराई गई थीं। जिसमें इस बार चोरी गई मोटरसाईकिल का ईंसुरेंस का रकम 28 हजार रुपए मात्र काफी भाग दौड़ के बाद मिला था।

स्वास्थ्य जांच और रक्तदान शिविर के साथ पौधारोपण

कोलफील्ड मिरर 24 जून (निरसा): राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण भारत और समर्पण एक नेक पहल कतरास लायंस क्लब के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को एगयारकुंड प्रखंड के डूमरकुंडा दक्षिण पंचायत भवन में संस्था द्वारा डुमरकुंडा पंचायत के मुखिया के अगुवाई में गांव- गांव जागरूक घर घर जागरूक अभियान के तहत स्थानीय ग्रामीणों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, डॉक्टरों के टीम द्वारा निशुल्क जाँच, एक रक्तदान शिविर के साथ पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजन किया गया। भीषण गर्मी का प्रकोप को देखते हुए वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि बीसीसीएल सीवी एरिया के महा प्रबंधक सुधाकर प्रसाद, मनजीत सिंह, मधु सिंह, मनोज कुमार मंडल, पप्पू गुप्ता, सहित अन्य विशिष्ट अतिथियो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

वही कार्यक्रम शुरुआत के पूर्व डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर अपनी जांच करवाई। वही पूरे पंचायत का भ्रमण कर संस्था की ओर से सैकड़ों पेड़ लगाए गए।

डुमुरकुंडा दक्षिण पंचायत की मुखिया संगीता पासवान ने कहा कि संस्था का ये पहल काफी सराहनीय है। आम लोग शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठा रहे है. उन्होंने कहा की संस्था की ओर से पर्यावरण को बचाए रखने को लेकर वृक्षारोपण का कार्य काफी सराहनीय है।

मंजीत सिंह ने कहा आये दिन ब्लड बैंको में रक्त कि कमी निरंतर देखने को मिलता है, ये तीनो संस्था द्वारा लगातार रक्तदान शिविर लगाकर समाज में बढ़िया कार्य कर रहे है, इन संस्थाओं द्वारा सराहनीय कार्य कर रहे है.

महा प्रबंधक ने कहा कि आज जो मौसम में बदलाव देखा जा रहा है उसको लेकर सभी को आगे आकर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की जरूरत है, तभी हम पर्यावरण को बचा पाएंगे और सही से सांस ले पाएंगे।

समर्पण एक नेक पहल के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार मंडल ने कहा कि इन दिनों धनबाद के अस्पतालों में सभी ग्रुप के ब्लड की काफी कमी हो गई है। जिसके चलते थैलेसीमिया, अप्लास्टिक, एनीमिया, डिलीवरी पेशेंट, एक्सीडेंट पेशेंट, तथा अन्य मरीजों को समय पर ब्लड बैंकों से रक्त उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिसको देखते हुए सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच निशुल्क है, आज के रक्तदान शिविर में कुल 28 यूनिट रक्त संग्रह हुआ.

मौके पर डुमरकुंडा दक्षिण पंचायत की मुखिया संगीता पासवान, मुखिया प्रतिनिधि अजय पासवान, जिला अध्यक्ष मनोज कुमार मंडल, पप्पू गुप्ता, इकराम अंसारी, प्रेमजीत सिंह, तपेस्वर चौहान, ब्रम्हदेव मोदी, बंटी पांडेय, राहुल गोराई, श्यामलाल अग्रवाल, निरंजन चटर्जी, अरूप मुखर्जी, सूजन नंदी, मोहम्मद कलाम, बिहारीलाल अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, हासिम अंसारी, रोबिन मंडल, बिजय मिश्रा एवं अन्य सदस्य समेत रंजीत मोदी, संजय ठाकुर, गुड्डू सिंह, डॉ आशुतोष झा, किशोर सिंह, पराग ओरा, गौतम बैनर्जी, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

प्रवासी मजदूर लालू महतो के शिनाख्त के लिए चैंनई भेजा टीम

कोलफील्ड मिरर 24 जून (धनबाद): धनबाद जिले अंतर्गत टुंडी थाना क्षेत्र राजाभिटा पंचायत तारटांड़ निवासी प्रवासी मजदूर लालू महतो विगत 6 महिने से लापता के मामले में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा रंजीत कुमार महतो के द्वारा सकुशल घर वापसी के लिए धनबाद जिला प्रशासन को चौबीस घंटे का अल्टिमेटम दिया गया था जिसे टुंडी थाना पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित संज्ञान में लेकर चैंनई पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित करके 72 घंटे के अंदर मामले को निष्पादन करने के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति धनबाद बरवाअड्डा ज़ोंन टीम, टुंडी विधानसभा टीम को लिखित आश्वासन दिया गया ज्ञात हो कि टुंडी विधानसभा राजाभिटा पंचायत तारटांड़ निवासी प्रवासी मजदूर लालू महतो के लगभग छः महीने से लापता होने का ख़बर प्रकाशन होने के बाद धनबाद जिला प्रशासन हरकत में आया और त्वरित लालू महतो के परिजनों को अचानक टुंडी थाना पुलिस के द्वारा सूचना मिला लालू महतो का पता चल गया है लेकिन परीजनों और झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के बरवाअड्डा ज़ोन के टीम को आशंका हो रहा है कि टुंडी थाना पुलिस मामले को लिपापोती के लिए किसी लावारिस शव को दिखा कर जैसे तैसे मामले को निष्पादन करना चाहते हैं परीजनों के द्वारा रंजीत कुमार महतो और बरवाअड्डा ज़ोंन टीम को सूचना मिलते ही पीड़ित परिजनों के साथ टुंडी थाना पहूंच कर मामले को विस्तार पूर्वक जानकारी प्राप्त कर टुंडी थाना पुलिस से वार्ता किया। टुंडी थाना प्रभारी के द्वारा 72 घंटे के अंदर निष्पादन और लालू महतो के शिनाख्त के लिए टीम गठित किया गया। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा रंजीत कुमार महतो ने कहा कि टुंडी थाना के पुलिस द्वारा मामले को लेकर लिपापोती किया जा रहा है परीज़नों को आरोपित के मिलीभगत से अंधेरे में रखा जा रहा है, सवाल किया गया कि लगभग छः महीने से लापता प्रवासी मजदूर लालू महतो का पता ख़बर प्रकाशन के बाद 24 घंटे के अंदर कैसे पता लगा लिया गया है वो भी किसी शव के रूप में। टुंडी थाना परिसर में वार्ता में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल में शामिल धनबाद विधानसभा प्रभारी शक्ति महतो केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो प्रवक्ता नीरज शर्मा धनबाद लोकसभा प्रभारी शंकर महतो मरिचो लोकसभा प्रभारी हिरालाल महतो टुंडी प्रखंड अध्यक्ष युवा मोर्चा भागीरथ महतो केंद्रीय युवा मोर्चा उपाध्यक्ष रविकांत मंडल राजाभिटा मुखिया प्रतिनिधि निमाई सिंह पंचायत समिति राजेश सिंह सक्रिय सदस्य सोनू महतो मनोज महतो प्रवासी मजदूर के सभी परीज़न और झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के सक्रिय लोग मौजूद थे।

योग की वैश्विक स्थापना एवं मान्यता

योग का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: योग अब भारत के साथ विश्व स्तर पर फिर दस्तक देने लगा है, संयुक्त राष्ट्र संघ में योग को मान्यता देते हुए 21 जून को विश्व योग दिवस मनाने का संकल्प लिया था और तब से लगातार प्रतिवर्ष विश्व योग दिवस मनाया जाता है। रोगों की रोकथाम में भी योग की सहायता लेकर प्राणायाम अनुलोम विलोम,भक्तिका जैसे योगासन फेफड़ों के लिए अत्यंत कारगर उपाय की तरह माने जा रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण के रोकथाम में भी योग काफी हद तक कारगर है अतः संक्रमण में योग का सहारा लेकर अपने शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। भारतीय योग विद्या अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है एवं कॅरोना जैसे संक्रमण से बचने के लिए योग अभ्यास को अपनाने से इससे बचा जा सकता है।

भारतीय वैदिक योग विद्या ने अंतराष्ट्रीय स्वरूप ले लिया है, योग अब न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। भारतीय योग गुरुओं के वर्तमान में लाखों विदेशी शिष्य भी बन चुके हैं। योग एक आत्म केंद्रित शारीरिक क्रिया तथा प्रक्रिया है। इसके लिए किसी विशेषज्ञ की आवश्यकता भी नहीं होती ना किसी महंगी सहायक सामग्री की भी। इसीलिए योग एक रोग निवारक उपाय के रूप में धीरे धीरे व्यापक जन समर्थन प्राप्त करता जा रहा है।

योग प्रक्रिया में किसी अनावश्यक धन खर्च की आवश्यकता भी नहीं है और इसमें किसी विशेषज्ञ अथवा स्पेशलिस्ट व्यक्ति को भारी धन खर्च कर उस से ज्ञान लेने की आवश्यकता भी नहीं है। इसीलिए योग रोग निवारक उपाय की तरह ग्रामीण तथा शहरी भारत आदिवासियों महिलाओं के साथ युवाओं, विद्यार्थियों, गर्भवती माताओं, किशोरियों आदि में नित नई बीमारियों के उन्मूलन में अत्यधिक उपयोगी साबित भी होता जा रहा है।

योग से न सिर्फ शरीर एवं मानसिक शक्ति में वृद्धि होती है बल्कि इससे आर्थिक लाभ प्राप्त होने लगे हैं। योग से अर्थव्यवस्था सुधारने की क्षमता भी बढ़ती आंकी गई है। योग से अर्थव्यवस्था को सुधारने में अग्रणी भूमिका निभाने में बहु उपयोगी है। योग गुरुओं के रूप में नए रोजगार का अवसर ग्रामीण टूरिज्म, योग टूरिज्म, विदेशी मुद्रा की प्राप्ति व्यक्ति की उत्पादन क्षमता में बढ़ना और योग सामग्री का नया बाजार विकसित धीरे-धीरे होने लगा है। योग के प्रचार प्रसार होने तथा इसके लाभों को जन जन तक पहुंचाने के परिणाम स्वरुप आम लोगों में योग के प्रति रुचि बढ़ने लगी है ।फल स्वरूप स्कूल कालेजों तथा अन्य कॉरपोरेट सेक्टर के संस्थानों में योग शिक्षकों की मांग बढ़ने की संभावना बलवती हो गई है। बाबा रामदेव, अयंगर स्वामी, सतगुरु स्वामी, विक्रम योगी जैसे गुरुओं की तरह अन्य योग के गुरुओं की मांग बेरोजगारी को कम करने में सहायक होगी तथा युवाओं को रोजगार का सतत एवं स्थापित रोजगार प्राप्त होगा। योग के प्रचार प्रसार बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन अर्थ लाभ की प्रक्रिया शुरू होना शुरू होगी तथा ग्रामीण पर्यटन के इजाफे के साथ साथ अन्य क्षेत्र में समग्र रूप से रोजगार बढ़ने की संभावना दिखाई देने लगी है। योग के अवसर शहर के प्रदूषण से दूर ग्रामीण क्षेत्रों की प्राकृतिक छटा के मध्य योग केंद्र स्थापित होने के साथ-साथ यह धन लाभ की योजनाओं को भी सृजित करते जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के कूटनीतिक तथा राजनयिक प्रयत्न के फल स्वरुप संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इसे वैश्विक मान्यता प्रदान करने के लिए 21 जून को प्रतिवर्ष वैश्विक योग दिवस मनाने की महत्वपूर्ण शुरुआत की गई। यह अत्यंत महत्वपूर्ण बात है कि भारत के इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बनाने हेतु प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र संघ में सबसे शीघ्रता से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया और विश्व के सभी देशों पर का पक्षों ने जिस पर आम सहमति दर्शाई थी। योग वैश्विक स्तर पर चर्चित एवं प्रसिद्ध होने से पश्चिम से लेकर पूरब तक योग की महत्ता पर लोगों ने इसे अपने जीवन का अंग बना कर इसे वरीयता प्रदान करना शुरू कर दिया है। अब हर वर्ष 21 जून को न सिर्फ भारत में बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अन्य देशों में भी वैश्विक योग दिवस के रूप में योग प्रक्रिया तथा प्रक्रिया का प्रदर्शन तथा योग क्रिया की जाने लगी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के पश्चात योग द्वारा बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की प्राप्ति भी होने लगी है तथा इससे फॉरेन एक्सचेंज भी मजबूत होने लगा जिसके फलस्वरूप योग्य के प्रति पश्चिम के लोगों में बढ़ते आकर्षण ने ही बाबा रामदेव देव जैसे योग गुरु को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। और यही कारण है कि बड़ी संख्या में विदेशी यात्री भी योग सीखने भारत आते हैं तथा भारत की पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने लगे हैं। इससे हमारे देश का विदेशी मुद्रा का संचयन धीरे धीरे बढ़ने लगा है। योग के प्रसिद्ध होने के साथ-साथ इसके अनेक केंद्र भारत तथा विदेशों में खुलने से भारत सरकार को विदेशी मुद्रा से भारी आर्थिक लाभ होना भी सुनिश्चित होने लगा है। अतः योग सिर्फ रोग निवारक ना होकर मानसिक, शारीरिक क्षमता को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था की स्थिति को सुधारने में सहायक हो गए हैं। इसके साथ ही योग प्रक्रिया के प्रचार प्रसार से योग से संबंधित समस्त सामग्रियों की मांग बढ़ने के साथ-साथ अनेक रोजगार के अवसर में वृद्धि हुई है।

योग वर्तमान में ही नहीं ऐतिहासिक रूप से भी वेदों में भी योग तथा शारीरिक क्रियाओं का विस्तृत वर्णन है।अतः हमें शारीरिक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था में भी सुधार लाने की आवश्यकता होगी। देश में लगभग सभी स्कूलों कॉलेजों में अब योग शिक्षकों की तथा योग कक्षाओं की अनिवार्यता की जाने वाली है। जिससे देश की आने वाली पीढ़ी तथा देश के आने वाले नागरिक भी स्वस्थ मानसिक एवं शारीरिक क्षमता के साथ अपने रोजगार अवसरों में अपना 100% योगदान प्रदान करेंगे, जिससे भारत में उत्पादक क्षमता में बढ़ने की आशा की जा सकती है। योग से शारीरिक क्षमता बढ़ने के साथ-साथ कार्यकुशलता भी विशेषज्ञता के साथ वृद्धि करती रहती है। योग के लिए केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों को बहुआयामी तथा पंचवर्षीय योजनाओं के साथ कार्य योजना तैयार कर किसके कौशल विकास को बढ़ावा देकर तथा कृषि विकास, उद्योग विकास का लघु एवं मध्यम उद्योग की स्थापना के साथ योग को ग्रामीण क्षेत्रों में वैकल्पिक रोजगार सृजित करने की आवश्यकता होगी। योग की प्रक्रिया तथा इसकी योगिक क्रियाओं से ग्रामीण भारत में बीमारी, कुपोषण, गरीबी पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अल्प विकास जैसी बुराइयों से बाहर निकलना खुलकर योग को प्रचारित प्रसारित करते हुए आय के साधन का बड़ा स्रोत बनाने की परम आवश्यकता है। दूसरी तरफ केवल सरकारी प्रयासों से ही यह संभव न होकर आम जनता और आम नागरिकों को भी इसमें अथक मेहनत करनी होगी। योग को प्रसारित करने के लिए बड़ी संख्या में रोजगार मूलक प्रशिक्षकों की बड़ी संख्या तैयार करनी पड़ेगी तथा योग को शारीरिक विकास विभाग के लाभ से जोड़कर इसका स्वरूप गैर धार्मिक बनाना होगा यह से इसमें संबंधित विवाद रहित कर समाज के सभी वर्ग मैं यह प्रचारित प्रसारित कर समाज की अर्थव्यवस्था के लिए सार्थक लाभ की तरह बहु उपयोगी हो सके तब ही इसकी संपूर्ण सार्थकता होगी। योग की प्राचीन काल से ही ऐतिहासिक तौर पर सशक्त एवं मजबूत विकसित परंपरा रही है अतः योग के इस महत्व और परंपरा को चिकित्सा अर्थव्यवस्था विदेशी मुद्रा की प्राप्ति में अधिकाधिक लाभ उठाने का साधन बनाना होगा।

संजीव ठाकुर
संकलनकर्ता, चिंतक
वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

हादसे की पटरी पर दौड़ती भारतीय रेलवे?

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: रेल हादसों की कड़ी टूटने का नाम नहीं ले रही है पिछले एक साल में डेढ़ दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं रेलवे संचालन में बरती जा रही हद दरजे की लापरवाही को रेखांकित कर रही है। सोमवार को दार्जलिंग के पास एक बड़ा हादसा हुआ है. एक मालगाड़ी की एक्सप्रेस ट्रेन से टक्कर हो गई है. हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है. वहीं, घायल 32 लोगों के घायल होने की खबर आ रही है. 09 गंभीर रूप से घायल हैं. इस हादसे में मारे जाने वाले लोगों में 3 रेलवे कर्मचारी भी हैं. मौके पर बचाव दल पहुंच चुका है और राहत कार्य तेजी से किया जा रहा है. आशंका जताई जा रही है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बीते एक साल के भीतर 19 रेल हादसे हुए हैं जिनमें करीब साढ़े तीन सौ लोगों की अकाल मोत हुयी है। सवाल यह है कि आखिर कब तक भारतीय रेल हादसे दर हादसे का शिकार बनती रहेगी।

कंचनजंगा रेल हादसे ने पिछले साल की भीषण रेल दुर्घटना की याद ताजा करा दी है आप को याद है बीते साल 2023 में देश के भीषणतम ट्रेन हादसों में से एक बालासोर ट्रेन हादसा भी जून महीने में हुआ था. इस हादसे ने करीब 300 लोगों की जान ले ली थी, जबकि हजार के करीब लोग घायल हुए थे.आपको बता दें कि पिछले एक साल में देश ने दर्जनों रेल हादसे देखे हैं जिसमें कई लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ गई. कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन हादसे ने ओडिशा के बालासोर में हुए उस वीभत्स ट्रेन हादसे की भी याद दिला दी, जो पिछले साल जून महीने में ही हुआ था. पिछले साल से लेकर अब तक करीब 19 रेल हादसे हुए हैं।

पिछले साल 2 जून की शाम ओडिशा के बालासोर में उस समय बड़ा ट्रेन हादसा हो गया, जब 3 ट्रेनें आपस में टकरा गईं. कोरोमंडल एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12841) फुल स्पीड से चल रही थी. इस बीच बहनागा बाजार स्टेशन के पास वह मुख्य लाइन की जगह पासिंग लूप में चली गई जिससे ट्रेन वहां पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस बीच कोरोमंडल एक्सप्रेस हावड़ा से होकर चेन्नई रेलवे स्टेशन तक जा रही थी. कोरोमंडल एक्सप्रेस की तेज गति के कारण ट्रेन के 21 डिब्बे पटरी से उतर गए. इनमें से 3 डिब्बे पास के ट्रैक पर आ रही एसएमवीटी बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12864) से टकरा गए. इस हादसे में कुल 296 लोगों की मौत हो गई जबकि 1,200 से अधिक अन्य घायल हो गए थे।

23 अगस्त 2023 को पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में कम से कम 26 मजदूरों की मौत हो गई. राजधानी आइजोल से करीब 21 किलोमीटर दूर सैरांग के पास पहाड़ी इलाके में बैराबी-सैरांग लाइन पर कुरंग नदी पर निर्माणाधीन रेलवे पुल (ब्रिज संख्या 196) टूटकर नदी में गिर गया, जिससे 26 मजदूर की मौत हो गई. मारे गए सभी मजदूर पश्चिम बंगाल के मालदा जिले से आए हुए थे. हादसे के बाद जांच के लिए समिति का गठन किया गया था। मिजोरम में हादसा होने के 3 दिन बाद ही एक और दुखद ट्रेन हादसा हो गया. 26 अगस्त 2023 की सुबह करीब 5 बजे मदुरै जंक्शन के पास खड़ी लखनऊ-रामेश्वरम भारत गौरव ट्रेन में अचानक से आग लग गई. हादसे में 10 लोगों की जान चली गई जबकि 20 लोग घायल हो गए. हादसे के बारे में पता चला कि श्रद्धालु ट्रेन में गैस सिलेंडर लेकर जा रहे थे और कोच में खाना बना रहे थे, तभी आग लग गई।

11 अक्टूबर 2023 की रात एक ट्रेन हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 70 से अधिक लोग घायल हो गए थे. रात 9.50 बजे बिहार के बक्सर में दिल्ली-कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन जब रघुनाथपुर स्टेशन के पास पहुंची तो उसके 6 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे यह बड़ा हादसा हो गया. ट्रेन की पटरी से उतरने के कारण कम से कम 2 एसी ।।। टियर डिब्बे पलट गए, जबकि 4 अन्य डिब्बे पटरी से उतर गए।

29 अक्टूबर, 2023, रात के बज रहे थे. हावड़ा-चेन्नई लाइन पर आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में बड़ा ट्रेन हादसा हो गया, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग जख्मी हो गए. विजयनगरम जिले के कोट्टावलासा जंक्शन रेलवे स्टेशन के पास विशाखापत्तनम-रायगढ़ पैसेंजर ट्रेन, विशाखापत्तनम -पलासा पैसेंजर ट्रेन से टकराने के बाद पटरी से उतर गई. विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर के लोकोपायलट ने सिग्नल को पार कर गया और एक ही ट्रैक पर आगे चल रही विशाखापत्तनम-रायगढ़ पैसेंजर ट्रेन को टक्कर मार दी।

चालू साल 2024 में पहला बड़ा रेल हादसा फरवरी में हुआ. 28 फरवरी की शाम झारखंड के जामताड़ा जिले में बड़ा ट्रेन हादसा हो गया. रांची से 140 किलोमीटर दूर कालझरिया में यह हादसा हुआ. शाम 7 बजे के करीब अंगा एक्सप्रेस (12254) विद्यासागर और कासितार के बीच चेन पुलिंग की वजह से ट्रेन रूक गई. इस बीच 2 लोग ट्रैक को पार कर रहे थे, लेकिन अचानक से वे दोनों मेमू ट्रेन की चपेट में आ गए।

ताजा हादसे में कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी और रंगापानी स्टेशनों के बीच अगरतला से सियालदाह जा रही थी. मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को मारी, जिससे उसके पिछले दो डिब्बे पटरी से उतर गये. हादसे वाली जगह पर वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंच चुके हैं। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ राहत बचाव में जुटे हुए हैं. वार रूम से रेलमंत्री मामले पर नजर बनाए हुए हैं। सूत्रों के अनुसार रेल सुरक्षा और एक्सीडेंट पर जल्द ही उच्च स्तरीय बैठक हो सकती है और हादसे की जांच के लिए कमेटी की घोषणा की जा सकती है।

पीएम मोदी ने ट्रेन एक्सीडेंट की घटना पर एक पोस्ट करते हुए दुख व्यक्त किया है. उन्होंने इस हादसे में घायल लोगों के लिए लिखा है- मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं. मैंने अधिकारियों से बात की है और स्थिति की लगातार जानकारी ले रहा हूं. घटना से प्रभावित लोगों को मदद देने के लिए मौके पर बचाव कार्य जारी है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी हादसे वाली जगह के लिए रवाना हो गए हैं।

पीएम मोदी ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिजन को 2 लाख रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की है. साथ ही इस हादसे में घायल हुए लोगों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि भी देने की घोषणा की है।

बोर्ड की चेयरमैन और सीईओ जया वर्मा ने इस मामले पर कहा है कि पायलट ने सिग्नल पर गाड़ी नहीं रोकी. शुरुआती जांच से उन्हें पता चला है कि रुकने का सिग्नल था, लेकिन पायलट ने गाड़ी नहीं रोकी, जिसके चलते यह बड़ा हादसा हुआ है. इस हादसे में लोको पायलट की भी मौत हो गई है. उन्होंने बताया है कि अभी इस मामले की जांच चल रही है और सही कारण का पता लगाने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने बताया कि कार्रवाही हर स्तर पर होती है. अभी फील्ड पर रेस्क्यू चल रहा है. उन्होंने कहा कि बोर्ड को जो भी इन्फॉर्मेशन मिलती है, हम कमांड सेंटर से जुड़ जाते है. सबसे पहले रेस्क्यू का काम किया जाता है.

रेल हादसे पर विपक्ष जमकर बरस रहा है पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने एक पोस्ट करते हुए लिखा है- 'देश में लगातार हो रहे रेल हादसों का जिम्मेवार कौन है?' वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने रेलमंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

मामले पर गृह मंत्री अमित शाह ने भी दुख जताते हुए एक पोस्ट की है. इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है- 'पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में हुआ रेल हादसा बहुत दुःखद है. इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ.'घटना की जानकारी पाते ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस पर अपडेट दिया है. अश्विनी वैष्णव ने एक पोस्ट करते हुए कहा- नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे यानी एनएफआर जोन में एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ है. बचाव कार्य तेजी से किया जा रहा है. रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ साथ मिलकर बचाव कार्य में लगे हुए हैं. घायलों को अस्पताल शिफ्ट किया जा रहा है. वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं।

सवाल है कि रेलवे हादसों की झड़ी क्यो लग रही है? एक साल के भीतर 19 हादसे और करीब साढ़े तीन सौ लोगों की मौत रेलवे के संचालन में बरती जा रही लापरवाही अनियमितता और कुप्रबंधन को चीख चीख कर बयान कर रहे हैं सवाल उठता है कि क्या हम इसी निचले दर्जे के लापरवाही भरे कुप्रबंधन के बूते पर बुलेट ट्रेन जैसी महत्वाकांक्षी योजना को अंजाम देने का सपना देख रहे हैं यदि यह हादसे सुपरफास्ट या बुलेट ट्रेन के साथ होते तो मंजर कितना खतरनाक भयानक व कितना जिंदगियों के लिए आखिरी सफर बन सकता है। हमारे तमाम सुरक्षा इंतजाम जरा सा मानवीय चूक से धराशायी हो जाते है हम ऐसी सुरक्षा प्रणाली क्यो नहीं विकसित कर पा रहें हैं जिसमें सुरक्षा बंदोबस्त दो या तीन स्तरिय हो यानी किसी एक भूल के बाद भी दुर्घटना को टाला जा सके। रेलवे को और अधिक मजबूत सुरक्षा तंत्र की तकनीक से जोडने की जरूरत है तभी रेल प्रगति का नया अध्याय जोड़ सकती है।

मनोज कुमार अग्रवाल

भवन विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की कहानी है बिहार में पुलों का गिरना!

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: बिहार के अररिया जिले में एक बार फिर बकरा नदी पर बना पुल भरभराकर गिर गया। 12 करोड़ से निर्मित इस पुल का अभी उद्घाटन भी नहीं हुआ था। हालांकि, बिहार में पुल गिरने की बात नई नहीं है। बीते 10 सालों से बिहार के कई जिलों में पुर गिरे, भ्रष्टाचार को लेकर सिस्टम पर सवाल भी खड़े हुए। लेकिन जवाब अभी तक नहीं मिला।दरअसल, पुल गिरने की घटना भवन विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। पुल गिरने की घटना, निर्माण कार्य में खराब गुणवत्ता वाला मेटेरियल का उपयोग और भूमि जांच में गड़बडी की बात को उजागर करता है और इस तरह की घटना बिहार के सरकारी सिस्टम पर सवालिया निशाना है।

ज्ञात हो कि बिहार के अररिया जिले में मंगलवार को बकरा नदी पर बना पुल भरभराकर गिर गया। 12 करोड़ से निर्मित इस पुल का अभी उद्घाटन भी नहीं हुआ था। सिकटी प्रखंड स्थित बकरा नदी के पड़रिया घाट पर 12 करोड़ की लागत से पुल का निर्माण किया गया था।

बताया जाता है कि नेपाल में हुई बारिश के कारण अचानक आए नदी में तेज बहाव ने पुल को अपने साथ बहा लिया। पुल का कार्य पूरा हो गया होता तो इससे सिकटी और कुर्साकांटा प्रखंड जुड़ जाता। यह दुखद बात है कि सरकार ने इस पुल पर 12 करोड़ रुपए खर्च किए थे लेकिन सब पानी में चला गया। अच्छा हुआ पु आवागमन के लिए चालू नहीं हुआ था नहीं तो लाशो का ढेर बिछ जाता। वैसे पिछले 5 साल में दूसरी बार नदी ने बदला रास्ता: इस बहाव में परडिया घाट पर बने पुल का तीन पाया भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गये। इसके ऊपर बना गार्डर भी नदी में समा गया है। इस बात को लेकर स्थानीय लोगों में काफी रोष है। इतना घटिया निर्माण किए जाने से इस पुल की यह दशा हुई है।

बिहार में यह एक ऐसी नदी है जिसकी वजह से सरकार भी परेशान है और लोग भी। जब इस नदी पर पहली बार पुल बना तो स्थानीय लोगों को लगा कि पुल निर्माण के बाद उनके इलाके की सूरत बदल जाएगी। लेकिन बकरा नदी ने यहां के लोगों को ऐसा गच्चा दिया कि सरकार के बड़े से बड़ा इंजीनियर भी फेल हो गया। हुआ ये कि, अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर साल 2012 में पुल बना। जितनी नदी की चौड़ाई थी उसके मुताबिक पुल 2019 में बनकर तैयार भी हो गया। जैसे ही पुल बनकर तैयार हुआ नदी ने अपना रुख मोड़ लिया और नदी पूरब की और खिसक कर बहने लगी।

सरकार भी हार मानने वाली नहीं थी। उसने दूसरी बार 11 करोड़ खर्च करके 200 मीटर तक पुल का निर्माण किया। फिर स्थानीय लोगों के मुरझाए चेहरे खिल उठे। कुछ दिन की समस्या मानकर, लोगों में पुल बनते ही सारे दुख दूर होने की उम्मीद जग गई। लेकिन सभी के अरमानों को रौंदकर बकरा नदी ने फिर रास्ता बदल दिया। नदी इस बार इस पुल के पश्चिम में बहने लगी। पुल के दोनों ओर बहती नदी के बीच ग्रामीण चचरी पुल बनाकर आर-पार होते हैं।

पुल के दोनों हिस्से अब सूखे में खड़े हैं। हर कोई बिहार के इंजीनियर की इंजीनियरिंग की दाद दे रहा है। इधर बकरा नदी है कि इंजीनियरों की 'औकात' से बाहर हो चुकी है। गांव वाले बता रहे हैं कि बकरा नदी एक बार फिर अपना रास्ता बदल रही है। बार-बार मार्ग बदले जाने की वजह से 31 करोड़ की लागत से तैयार खड़ा पुल अब किसी काम का नहीं रहा। लोगों के अरमान फिर एक बार नदी की धारा में गुम हो गए हैं। अगर ये पुल निर्माण पूरा हो जाता तो इस रास्ते के कुर्साकांटा और सिकटी प्रखंड से लेकर नेपाल सीमा तक के लाखों लोगों को इसका फायदा मिलता।

नदी का मार्ग बदलने से कई घरों की जल समाधि हो चुकी है।: स्थानीय ग्रामीण ने बताते है कि बकरा नदी के धारा बदलने से सिर्फ पुल का ही नहीं बल्कि कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है। इसकी धारा में कई घर विलीन हो गए। एक पूरी की पूरी बस्ती ही बकरा नदी के बदले रास्ते में आ गई। लोगों को काफी दिक्कते उठानी पड़ रही है। सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है।

बता दें कि इस पुल का उद्घाटन होने वाला था। लेकिन उद्घाटन से पहले ही करोड़ों की लागत से बनने वाला पुल ध्वस्त हो गया। बिहार में एक के बाद एक पुल गिर रहे हैं। कोई आंधी से तो कोई बिना आंधी और पानी के। ये हाल तब है जब प्रदेश में बारिश नहीं हुई।

पुल की गुणवत्ता पर सवाल: पुल कैसे गिरा, क्या गुणवत्ता में कोई कमी की वजह से ये हादसा हुआ ये कह पाना मुश्किल है। फिलहाल इस बार भी पुल गिरने पर जांच का मुलम्मा चढ़ाया जाएगा। देखना है कि संबंधित जिम्मेदार पुल के गिरने की क्या वजह बताते हैं।

वैसे बिहार में पुल का गिरना पहली घटना नहीं है। पुलों के गिराने की लम्बी सूचि है। बीते 10 सालों से बिहार के कई जिलों में पुर गिरे, 19 मार्च 2023 को बिहार के सारण जिले में एक पुल गिर गया था। बताया जाता है कि यह पुर अंग्रेजों के जमाने का था। बाढ़ ते बाद पुल जर्जर हो गया था और कई जगहों पर दरारें आ रही थी। विभाग के लापरवाही के कारण यह पुर गिर गया। लेकिन जर्जर पुल को लेकर विभाग की ओर से कोई चेतावनी जारी नहीं किया गया था। 4 जून 2023 को सुल्तानगंज से खगड़िया के अगुवानी गंगा घाट पर निर्माणाधीन पुल के पिलर नंबर 10, 11 और 12 अचानक गिरकर नदी में बह गए थे। पुल गिरने की घटना बिहार में सियासी बवाल खड़ा कर दिया था। पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने एक दूसरे पर सवाल खड़े किए थे।

19 फरवरी 2023 को पटना के बिहटा में सरमेरा में फोन लेन पर गिर गया था। वहीं बिहार के दरभंगा जिले के कुशेश्वर स्थान में कमला बलान नदी के सबोहल घाट पर ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से पुल गिर गया था।

15 मई 2023 को पूर्णिया में एक बड़ा हादसा हुआ था। यहां एक पुल का एक बॉक्स ढलाई के दौरान गिर गया था। जुलाई 2022 में बिहार के कटिहार जिले में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था और पुल गिरने से 10 मजदूर घायल हो गए थे।

18 नवंबर 2022 को बिहार के नालंदा जिले में एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था। पुल गिरने से 1 की मौत हो गई थी। बाताया जाता है कि यह पुल घटिया निर्माण के कारण गिर गया था।

9 जून 2022 को बिहार के सहरसा में एक पुल गिरने से कई मजदूर घायल हो गए। बख्तियारपुर के कंडुमेर गांव में पुल गिरने से कई लोग दब गए थे। मजदूर पुल पर काम कर था। इसी दौरान पुल गिर गया और मजदूर मलबा में दब गया। हालांकि, बाद में उसे बचा लिया गया।

पटना के फतुहा में 20 मई 2022 को अधिर बारिश के कारण एक पुल गिर गया था। यह पुल 1984 में बना था। वहीं, 30 अप्रेल 2022 को भागलपुर-खगड़िया में एक सड़क पुल गिर गया था।

अशोक भाटिया

भीषण गर्मी से खुला काम करने वाले मजदूरों को सबसे ज्यादा नुकसान क्यों?

भारत में हाल ही में आई भीषण गर्मी से डेली वर्कर्स, विशेषकर डिलीवरी कर्मियों, ईंट-भट्ठों पर काम करने वालों और दिहाड़ीदार मजदूरों के लिए कामकाजी परिस्थितियां गंभीर हो गई हैं। भीषण गर्मी ने खुला काम करने वाले वर्कर्स के लिए कठोर कार्य स्थितियों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। इस भीषण गर्मी में कई लोग खुले वातावरण और गर्म मौसम में काम करने के लिए मजबूर हैं। अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अक्सर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है।इनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे प्रयासों और नई पहलों को विकसित किया जाना चाहिए, जिससे उनकी भलाई और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: भारत में हाल ही में आई भीषण गर्मी ने कई क्षेत्रों में तापमान को 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा दिया है, जिससे डेली वर्कर्स, खासकर डिलीवरी कर्मियों और दिहाड़ीदार मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों में इज़ाफा हुआ है। इस प्रकार के खुला काम करने वाले इस दौरान श्रमिक पर्याप्त स्वास्थ्य-सुरक्षा उपायों और न्यूनतम ब्रेक के बिना चरम मौसम की स्थिति के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण गर्मी से थकावट और निर्जलीकरण से पीड़ित हुए हैं, जिससे पता नहीं कितनों की जान असमय गई है। दिहाड़ीदार मजदूर स्थायी नौकरियों के बजाय अल्पकालिक अनुबंध या फ्रीलांस काम करते है। इस में उबर, स्विगी और ज़ोमैटो जैसे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए अस्थायी, लचीले और प्रोजेक्ट-आधारित काम करने वाले भी शामिल हैं। ये नौकरियाँ लचीलापन प्रदान करती हैं, लेकिन इन लोगों को पारंपरिक रोज़गार से जुड़े लाभों और सुरक्षाओं का अभाव होता है।

अगर वे काम नहीं करेंगे, तो उनके घर खाना नहीं पकेगा। यह उनके जीवन-यापन का एकमात्र साधन है। ऐसे लोग अक्सर काफी गरीबी में जीने के लिए विवश होते हैं। साफ पानी जैसी आधारभूत सुविधाओं से वंचित झुग्गियों के घर टिन या तारपोलिन की छतों के नीचे तपती गर्मी झेलते हैं। चूंकि ये काम ज्यादातर खुले वातावरण में ही करने पड़ते हैं, तो भीषण गर्मी में इन लोगों के बीमार पड़ने का खतरा भी ज्यादा रहता है। ऐसे श्रमिकों को अक्सर स्वास्थ्य बीमा, सेवानिवृत्ति लाभ या सवेतन अवकाश की सुविधा नहीं मिलती, जिससे बीमारी या चोट के समय वे आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं। श्रमिकों की आय अत्यधिक परिवर्तनशील और अप्रत्याशित होती है, जिससे वित्तीय योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। श्रमिकों को कठोर कार्य स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें चरम मौसम का सामना करना भी शामिल है। इनको आमतौर पर स्वतंत्र ठेकेदारों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिससे उन्हें कई श्रम सुरक्षा से वंचित रखा जाता है जो औपचारिक कर्मचारियों को प्राप्त होती हैं।

ऐसे विपरीतसमय में श्रमिकों को संरक्षण और निष्पक्ष व्यवहार के लिए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत है। सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य लाभ के लिए वर्कर्स को स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ और पेंशन सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करनाबहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए: राजस्थान प्लेटफ़ॉर्म आधारित वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) विधेयक, 2023 का उद्देश्य वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय मिसाल कायम करेगा। वर्कर्स के लिए एक न्यूनतम वेतन नीति स्थापित करना ताकि एक स्थिर आय और न्यूनतम भुगतान किए गए घंटे या कमाई सुनिश्चित हो सके। जैसे सिंगापुर के प्रस्तावित विधायी परिवर्तनों में श्रमिकों के लिए कार्य-चोट बीमा और पेंशन कवरेज का विस्तार करना शामिल है, जिसका भारत भी अनुकरण कर सकता है।

वर्कर्स को कर्मचारी के रूप में मान्यता देना या उन्हें समान अधिकार और सुरक्षा प्रदान करना समय की मांग है। इसमें संगठित होने और यूनियन बनाने का अधिकार शामिल है। उदाहरण के लिए: यूके और कैलिफोर्निया में कानूनी लड़ाइयों के कारण वर्कर्स को कर्मचारी के रूप में मान्यता मिली है, जो न्यूनतम वेतन और अन्य लाभों के हकदार हैं। सुरक्षित कार्य परिस्थितियाँ सुनिश्चित करने के लिए जिसमें सुरक्षात्मक गियर, नियमित ब्रेक और चरम मौसम से श्रमिकों की सुरक्षा के उपाय शामिल हैं। उदाहरण के लिए: निष्पक्ष व्यवहार और शिकायत निवारण तंत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, लेकिन इनको मज़बूत करने की आवश्यकता है। स्वतंत्र श्रम न्यायालयों की स्थापना करना और यह सुनिश्चित करना कि उनमें मामलों को तुरंत और निष्पक्ष रूप से निपटाने की क्षमता हो। उदाहरण के लिए: कतर की श्रम विवाद समितियों ने न्याय तक पहुँच में सुधार किया है, लेकिन देरी और प्रवर्तन संबंधी मुद्दे बने हुए हैं, जिसके लिए और सुधार की आवश्यकता है।

वर्कर्स की रोजगार क्षमता और आय क्षमता को बढ़ाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करनाभी आवश्यक है। इसमें वित्तीय साक्षरता और डिजिटल कौशल का प्रशिक्षण शामिल हो। उदाहरण के लिए: स्किल इंडिया जैसी सरकारी पहलों का विस्तार करके वर्कर्स को विशेष रूप से लक्षित किया जा सकता है, ताकि उन्हें प्रासंगिक कौशल और प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। कल्याणकारी योजनाओं के पंजीकरण और पहुँच को सरल बनाने के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर सेवा वितरण में सुधार के लिए वर्कर डेटा को राष्ट्रीय श्रम डेटाबेस में एकीकृत करना श्रमिकों के लिए फायदेमंद स्कीम बनाने में सहायक होगा। उदाहरण के लिए: भारत का ई-श्रम पोर्टल, जिसका उद्देश्य असंगठित श्रमिकों का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है, वर्कर्स को शामिल करने के लिए इसका लाभ उठाया जा सकता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें समय पर लाभ मिले।

भारत में वर्कर्स के अधिकारों की रक्षा और उनके साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए व्यापक और अच्छी तरह से लागू किए गए उपायों की आवश्यकता है। सामाजिक सुरक्षा, कानूनी मान्यता, बेहतर कार्य परिस्थितियाँ, न्याय तक पहुँच, प्रशिक्षण और बेहतर डिजिटल बुनियादी ढाँचा एक निष्पक्ष श्रमिक अर्थव्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यबल के इस बढ़ते हुए हिस्से की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों और नई पहलों को विकसित करना जारी रखना चाहिए, ताकि उनकी भलाई और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रियंका सौरभ

बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए बाल साहित्य लिखा और पढ़ा जाना अति आवश्यक

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: वरिष्ठ बाल साहित्यकार-नरेंद्र सिंह 'नीहार' अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी संगठन नीदरलैंड ने बाल साहित्य के फ़ेसबुक पेज "वर्ड ऑफ चिल्ड्रनस आर्ट एंड कल्चलर" के बाल साहित्य कार्यक्रम की मासिक श्रृंखला में21 जून 2024 को "बाल साहित्य के विविध आयाम "विषय पर ऑनलाइन विचार-विमर्श के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारत के वरिष्ठ बाल साहित्यकार, समीक्षक, व दिल्ली में प्रवक्ता के रूप में कार्यरत नरेन्द्र सिंह 'नीहार' ने वैश्विक स्तर पर उपस्थित दर्शकों व मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बाल साहित्य की अवधारणा को बड़ी कुशलता से अभिव्यक्त करते हुए कहा कि " बच्चों कोमल मन को ध्यान में रख देश -साहित्य और संस्कृति को माध्यम बना कर बच्चों के लिए हम जो साहित्य लिखते है, उसी को बाल साहित्य माना जाता है। नीदरलैंड से इस कार्यक्रम की समन्वय व प्रस्तुतकर्ता डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे ने बाल साहित्य की भूमिका बताते हुए इस कार्यक्रम का संचालन संभाला।

विषय प्रवर्तन के रूप में विराजमान वरिष्ठ साहित्यकार, समीक्षक,व आलोचक श्री सूर्यकान्त शर्मा जी ने बाल साहित्य के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हम लोकल से ग्लोबल हो गए हैं, टेलीविजन पर बहुत अधिक बच्चों के चैनल आ गये है। इसलिए हमें बाल साहित्य पर और अधिक ध्यान देना होगा। सरकार को इसके लिए पुस्तक नीति बनानी चाहिए। प्रकाशकों को लेखकों के प्रति इमानदार रहना होगा। पुस्तक मेले में बाल साहित्य को बढ़ावा मिलना चाहिए ।बाल साहित्य और साहित्यकारों को एक ऐसा मंच मिलना चाहिए जहाँ वह अपनी बात कह सकें। बाल साहित्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विमर्श से जोड़ना आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड के वरिष्ठ बाल साहित्यकार श्री मोहन जोशी गरूड़ जी जो बाल पत्रिका ज्ञानार्जन पत्रिका के संपादक भी हैं उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा की बाल साहित्य एक महत्वपूर्ण विषय है जो जाने अनजाने में कहीं छिप जाता है। देश विदेश में बाल साहित्य के लोक कथाओं, कहानियों, लेख निबंध, मानवीय मूल्यों पर आधारित साहित्य गीतों,लोरियाँ ,कविताओं का ख़ज़ाना बिखरा पड़ा हैं। यदि हम भारत में इस ख़ज़ाने को पुस्तकों के रूप में समाहित कर सकें या किसी वेबसाइट के द्वारा समाहित कर सके तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्कृतियों, का आदान-प्रदान का बहुत सफल प्रयोग होगा।ई पत्रिकाकों का प्रकाशन होना चाहिए। बाल पत्रिकाओं के पंजीकरण में आने वाली कठिनाइयों को सरल किया चाहिए। लेखन व प्रकाशन दोनों के लिए पुरस्कार होने चाहिए। लेखकों को बाल लेखन में नवीनता लानी होगी तभी हम बच्चों को वर्तमान युग से सही पहचान कराने में सफल हो सकेंगे।उन्होंने अपने बाल साहित्य के ऑनलाइन कार्यक्रम मोहन कृति के बारे में भी जानकारी देते हुए बताया की इस कार्यक्रम का संचालन भी बचते करते है, समीक्षक भी वही होते हैं और अध्यक्षता भी उन्हीं की रहती है। उत्तराखंड में ख़राब मौसम के कारण श्री मोहन जोशी गरूड़ जी के वक्तव्य में व्यवधान उत्पन्न होने के कारण दर्शक उनका वक्तव्य पूरा नहीं सुन सकें। कार्यक्रम को आगे गति देते हुए डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति मीना अरोड़ा जी को मंच पर आमंत्रित करते हुए उनसे प्रश्न किया -क्या अनुदित बाल साहित्य को मौलिक बाल साहित्य से कमतर आकां जाना चाहिए? मुख्य अतिथि श्रीमती मीना अरोड़ा जी ने प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा- साहित्य की अन्य धाराओं की तरह बाल साहित्य भी एक महत्वपूर्ण धारा है। यह आज के दौर की अनिवार्य आवश्यकता है। बाल साहित्य की ओर कम ध्यान दिया जा रहा है। हमारे लिए यह दुख का विषय है कि हमारे देश में अधिकतर बच्चों को पाठ्य-पुस्तकों तक ही सीमित रखा जाता है।

माता-पिता बच्चों को खिलौने, वीडियो गेम इत्यादि तो उपलब्ध करवाते हैं लेकिन बाल पत्रिकाओं की ओर उनका ध्यान कम ही जाता है। वैसे तो हिन्दी बाल साहित्य बहुत समृद्ध है। इनमें अनूदित बाल साहित्य का योगदान बहुत अधिक है। बहुत से प्रकाशन गृह और संस्थान इस दिशा में काम कर रहे हैं। हिन्दी में अनूदित बाल साहित्य में सबसे अधिक अनुवाद अंग्रेजी से हिन्दी में हुए हैं। इनमें सबसे अधिक अनुवाद कहानियों का हुआ है। इक्कीसवीं सदी में इस दिशा में सबसे अधिक कार्य हुआ है। अंग्रेजी से हिन्दी में अनुदित बाल कहानियाँ विविधता की दृष्टि से भी बहुत समृद्ध हैं। इनमें आम जीवन की कहानियाँ, पशु-पक्षियों पर आधारित कहानियाँ, पर्यावरण संबंधी कहानियाँ, जीवनी संबंधी कहानियाँ आदि प्रमुख अभी हाल ही में डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे जी ने नीदरलैंड्स की बाल कहानियों का अनुवाद हिन्दी भाषा में कर उन्हें प्रकाशित करवाया है जिससे बाल साहित्य बहुत ही लाभान्वित हुआ है। इस कार्यक्रम की समन्वय व संचालिका डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे जी द्वारा अनुवादित नीदरलैंड्स की लोक कथाएं बहुत ही लुभावनी तथा रोचक बाल कहानियां हैं। मेरी दृष्टि में बच्चों को कहानियों के साथ बाल कविताओं के माध्यम से बहुत सा ऐसा ज्ञान देना चाहिए जिससे उनको खाने पीने,पढ़ने जीवन जीने के सही तौर तरीकों का बचपन से ही अभ्यास हो जाए। बाल कविताओं तथा कहानियों के माध्यम से बच्चों को प्रकृति के प्रति प्रेम, देश प्रेम, बड़ों का आदर जैसी नैतिक शिक्षा का ज्ञान भी दिया जा सकता है।

मुख्य वक्ता के रूप में इंदौर की वरिष्ठ साहित्यकार व वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुनीता श्रीवास्तव जी ने विषय को आगे बढ़ाते हुए आज का बाल साहित्य बच्चों को सोशल मीडिया,इंटरनेट के जाल से मुक्त करने में किस तरह सहायक हो सकता है? प्रश्न का उत्तर देते कहा कि- हम आज बहुत आसानी से बच्चों पर दोषारोपण कर देते है कि बच्चे सारा समय फ़ोन में सोशल मिडीया या इंटरनेट पर समय बिताते हैं। पर क्या हम अपने बच्चों के लिए समय निकाल पाते हैं? आज भागदौड़ की ज़िंदगी में हम इतने व्यस्त हो गए हैं कि हम अपने बच्चों के लिए उनके साथ बैठने , बातें करने का समय ही नहीं निकाल पाते। पहले संयुक्त परिवार होते थे सब साथ मिलकर रहते थे। दादा दादी से वह कहानी सुना करते थे ,रामायण-गीता घरों में सुनी पढ़ी जाती थी अब वह समय बीत गया। एकल परिवार है जहाँ माँ और पिता दोनों राम पर जाते हैं बच्चों को या तो आया पालती है या डे बोर्डिंग स्कूल। इसलिए आज के समय में यह आवश्यक है कि माता-पिता स्वयं पढ़ने की आदत डालें बच्चों को पुस्तकालय जाना सिखाएँ, उन्हें उपहार में पुस्तकें दें और साथ बैठ कर पढ़ें तो बचते अवश्य ही इंटरनेट के जाल से मुक्त हो सकेंगे। आज के समय में बच्चों व किशोरों में बढ़ते मानसिक अवसाद से बाहर निकलने के लिये अच्छा बाल साहित्य बहुत सहायक सिद्ध हो सकता है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष व साहित्य को पूर्ण समर्पित साहित्यकार श्री नरेन्द्र सिंह ने डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे के प्रश्न-बाल साहित्य की समीक्षा व समीक्षक के मूल बिंदु पर चर्चा कविता की दो लाइनों से की—

बच्चों के छोटे हाथों को चाँद सितारे छूने दो।
चार किताबें पढ़ कर यह भी हम जैसे हो जाएँगे ।

शरारत व शिकायत बच्चों और बचपन के लिए बहुत आवश्यक है । बाल साहित्य साहित्य की अलग विधा नहीं साहित्य का सोपान है वहीं से हो कर साहित्य को जाना है। बाल साहित्य केवल बड़ों के लिए ही नहीहै। बाल साहित्य को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में पढ़ाना चाहिए ताकी वह अच्छे अभिभावक बने।बाल साहित्य को बाल साहित्य की समीक्षा करते समय पुस्तक कि विषय वस्तु पर ध्यान देना आवश्यक होता है। यदि पुस्तक का विषय बालकों की रूचि के अनुसार नहीं है तो फिर उस लेखन का बाल साहित्य में कोई औचित्य नहीं रह जाता है। उस पुस्तक में बाल मनोविज्ञान को कितना ध्यान में रखा गया है? लेखन की शैली रोमांचक है या नहीं? संवादों की भाषा सरल व चुटीले व संक्षिप्त होना भी आवश्यक है।

लेखन में नवीनता होनी चाहिए उपदेशात्मकता से बचना होगा। उन्होंने "जूते घुमने निकले";पुस्तक की समीक्षा का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि शीर्षक जिज्ञासु व आकर्षक होंगे तभी बच्चे उस पुस्तक या रचना को पढनें में रुचि लेंगे। कहानी या रचना का वातावरण ऐसा होना चाहिए जो हर बाल पाठक को अपने ही परिवेश का बोध कराएँ। इन सभी बिंदुओं को यदि ध्यान में रखा जाए तो एक उत्तम समीक्षा तैयार कि जा सकती है। किसी पुस्तक की समीक्षा के लिए उसका पुरस्कृत होना आवश्यक नहीं है। भारत में जहाँ पाठक है वहाँ पुस्तक नहीं है और जहाँ पुस्तक हैं वहाँ पाठक नहीं है यह बजी विडंबना है। भारत में बच्चों पर पाठ्यक्रम का बहुत बोझ रहता है। जिससे उन्हें अन्य पुस्तकें पढ़ने का समय कम मिल पाता है। इस पर उन्होंने अपनी एक कविता का उदाहरण दिया-

ठूँस ठूँस के भरी किताबें, हो गया बसता भारी
झूरी पीठ बता रही है बालक की लाचारी....

बाल साहित्य बच्चों को केवल मनोरंजन ही नहीं शिक्षा, ज्ञान, संस्कृति और इतिहास का भी ज्ञान कराते है। कार्यक्रम के अंत में सोनू पत्रकार जी भी हमारे साथ अपने विचार व्यक्त करने के लिए जुड़ें उन्होंने कहा कि डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे नीदरलैंड से एक वर्ष से बाल साहित्य की अनेक भाषाओं व विधओ पर कार्यक्रमों का आयोजन कर रहीं हैं। यह अपनेआप में एक महत्वपूर्ण व सराहनीय पहल है। इस कार्यक्रम में संस्कृत, हिन्दी, पंजाबी, भोजपुरी, कन्नड़ आदि भाषाओं के बाल साहित्य पर इन भाषाओं के बाल साहित्यकार विचार विमर्श कर चुके हैं। आज का कार्यक्रम भी बाल साहित्य के विविध आयाम विशेष कार्यक्रम के रूप में सम्पन्न हुआ, इसके लिए मैं मंच पर उपस्थित सभी प्रबुद्ध साहित्यकारों व इस कार्यक्रम की समन्वयक व प्रस्तुतकर्ता डॉ ऋतु शर्मा नंनन पांडे के इस सराहनीय प्रयास को नमन करता हूँ।

आम महोत्सव में पीरपैंती एफपीओ का लगा स्टॉल, सीएम ने की सराहना

कोलफील्ड मिरर 24 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के एग्रो पॉइंट कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के द्वारा पटना में आयोजित आम महोत्सव में करबाइड फ्री आम का स्टॉल लगाया गया है। आम महोत्सव का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा उद्घाटन किया गया।

वही एग्रो पॉइंट कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के शत्रुघ्न कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री हमारे भी स्टॉल पर आए उन्होंने पूछा यह कहां का आम है तो हमने बताया कि भागलपुर का उन्होंने कहा कि अच्छा है जर्दालू हम खा ही रहे हैं।

साथ हीं उन्होंने उनकी पूरी टीम को सराहाना करते हुए कहा की आम उत्पादक किसानों के लिए हम कर रहे हैं आगे भी उनके बेहतरी के लिए हम कार्य करेंगे।

पञ्चाङ्ग पूजन व अरणि मंथन के साथ शक्ति महायज्ञ का शुभारंभ

कोलफील्ड मिरर 24 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के प्यालापुर पंचायत के गोराडीह गाँव स्थित शिव मंदिर परिसर में बाल संत त्यागी जी महाराज इंटरनेशनल भिखारी के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय शक्ति महायज्ञ को लेकर रविवार को यज्ञाचार्य हरेन्द्र शास्त्री वाराणसी के द्वारा विशाल यज्ञशाला के पश्चिमी द्वार पर प्रधान यजमान सहित अन्य यजमानों के द्वारा पञ्चाङ्ग पूजन के तहत यज्ञाचार्य, ब्रह्मा व अन्य ब्राह्मणों को वरण करवाया गया।

उसके उपरांत यज्ञशाला की परिक्रमा के साथ आचार्य, ब्रह्मा व यजमान मंडप में प्रवेश किए तथा वैदिक ब्राह्मणों के मंत्रोचार व अरणी मंथन से अग्नि प्रज्वलित कर नौ कुण्डीय हवनात्मक यज्ञ का शुभारम्भ किया। जबकि सांध्यकालीन आरती में स्थानीय लोगों सहित महिलाओं एवं बच्चों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं यज्ञाधीस त्यागी जी महाराज ने समस्त क्षेत्र वासियों से 158 वें महा यज्ञ में तन मन धन के साथ शामिल होने का आह्वान किया है।

सतसंग में महात्मा महापुरुष की बातों को दोहराया जाता है, बात रटा दी जाती है, बिना सतसंग के आदमी भूल और भ्रम में फंस जाता है

कोलफील्ड मिरर 24 जून (जबलपुर/ म.प्र.): इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि हमेशा इस धरती पर सन्त रहते हैं। सन्त कभी गुप्त रूप में रहते हैं तो कभी प्रकट रूप में रहते हैं। गुप्त रूप में जो संत उस समय की जो अवतरित शक्तियां होती है।

उस समय के जो संत होते हैं। वह उनको पहचानते हैं। कहां है? कौन है? क्या है। (मुझे) गुरु महाराज के पास रहने का 40सों साल मौका मिला। जब गुरु महाराज के पास (मैं) पहुंचा था तब कुछ नहीं जानता था कि सन्तमत क्या होता है, गुरु क्या होता है। पढ़ाई-लिखाई कर रहा था उस समय पर तो बस वही दिखाई पड़ रहा था कि बढ़िया नौकरी, बढ़िया कोई काम मिल जाएगा, नाम हो जाएगा, काम कर लेंगे, पैसा कमा लेंगे, गृहस्थी बढ़ा लेंगे, यही सब दिमाग में रहता था, जो आमतौर से बच्चों के रहता है। लेकिन गुरु महाराज ने खींचा। गुरु सन्त अपने जीवों को खींचते हैं। वह समझते हैं, कौन, कैसा, क्या है। गुरु महाराज ने शरण दिया। बहुत कुछ सिखाया, पढ़ाया, अपने बच्चों की तरह से पाले-पोसे, तकलीफ हुई तो इलाज करवाया, खाने-पीने का ध्यान रखते थे कि खाया या नहीं खाया। इतना ध्यान रखा कि कोई अपने बच्चे का क्या ध्यान रखेगा। और जब गुरु के पास रहना सीख गया, गुरु की कुछ दया हुई तो चिट्ठी लिख करके भेजते थे कि इनको उमाकान्त तिवारी को मैं भेज रहा हूं, समझ लो, मैं ही आ गया हूं। तो गुरु महाराज जब खाली बैठे थे तो बहुत सारी बात बताते रहते थे। तो हम साथ में पीछे-पीछे लगाए रहते थे तो हम ही से बात करते थे। तो बताया गुरु महाराज ने कि (पुरानी बात है) हम लोग (दादा गुरु जिनको कहते हैं, उनके साथ) जा रहे थे। उस समय पर लोग पैदल चलते थे। तो आराम करने के लिए पेड़ के नीचे बैठ गए। थोड़ी दूर चलने के बाद अगर आदमी आराम कर ले तो थकावट कम हो जाती है। वहीं पर एक किसान खेत की जुताई कर रहे थे। दादा गुरु ने जो गुरु महाराज के (साथ के) लोग रहे थे, उन लोगों से कहा, की देखो यह पूरे हैं। इनका आना-जाना उस देश का है, जहां से जीवात्मा आई है, जो सबके पिता, बाप है, जिनका जन्म मरण नहीं होता है, जो मृत्यु लोक में नहीं आते हैं, वह सबके पिता है। साहब सबका बाप है, बेटा काहू का नहीं बेटा होकर जो जन्मे, वह तो साहब नाहीं। वह तो पावर भेजता है मनुष्य शरीर में, वह खुद नहीं आता है। अब गुरु महाराज के साथ एक आदमी थे। उनका विश्वास नहीं हुआ। फिर वहां से यह सब लोग चल पड़े। उसी समय पर उन्होंने अपना हल खोल दिया, हल कंधे पर रखा और बैलों को लेकर चले गए, घर पास में ही था। तो गुरु महाराज, दादा गुरु सब आगे बढ़ गए। और वह (व्यक्ति) उनकी तरफ चले गए कि उनसे पूछे कि आप पूरे हो, अधूरे हो, या ऐसी कोई जो भी उनके अंदर इच्छा रही होगी। तो वह देखते ही बोले, मेरे पास क्यों आ गया? अरे वह पूरे हैं, जिनके साथ तू जा रहा है, जो तेरे को मिले हैं। उनको आदेश है, तेरे को संभालने के लिए। तेरे को वह संभालेंगे, जिनके साथ तू जा रहा है। जा, तू यही पूछने आया है कि मैं पूरा हूं या अधूरा हूं। जो तेरे गुरु ने कहा, वही सत्य है। जा, मैं भेज रहा हूं वहां। ऐसे ही छिप कर रहते हैं लेकिन जिसको आदेश होता है, उससे काम होता है। इसलिए कहा गया है वक्त के मास्टर के पास बच्चे को पढ़ने के लिए भेजना, वक्त की डॉक्टर, वैद्य के पास इलाज के लिए जाना, समय एक गुरु को अपनाना पड़ता है, समय के नाम से ही उद्धार होता है।

सतसंग में क्या बताया जाता है

सतसंग में कोई बहुत नई चीज नहीं बताई जाती है। जो महात्मा महापुरुष कह करके गए, वही बातें दोहराई, याद दिलाई जाती है। बार-बार किसी को कोई चीज याद दिला दिया जाए तो वह बात रट जाती है। सतसंग जब नहीं मिलता है तो आदमी भूल जाता है। और फिर भूला, लौट करके आया और गृहस्थी को सेट करने लग गया तब फिर फंस गया। गृहस्थी आज तक किसी की सेट हुई? किसी की भी नहीं हुई। और जितना इसको सेट करने में आदमी लगता है, उतनी ही यह उलझती जाती है। और इस कदर आदमी इसमें फंस जाता है जैसे बंदर पतले मुंह वाली सुराही में रखे चने के लालच में बंद मुट्ठी न खोलता हुआ फंस जाता है। कहा गया है- मरकट सम तुम बने अनाड़ी, मुट्ठी दीन्हा घड़े पसारी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को भाजपा कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिवस के रूप में मनाया

कोलफील्ड मिरर 24 जून (ऋषिकान्त मिश्र) भागलपुर-: जिला भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा गौशाला में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 72वीं पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनायी गई। वहीं उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित करके उनको श्रद्धांजलि दी।जिसकी अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष दिलीप निराला ने किया।

निवर्तमान अध्यक्ष रोहित पाण्डेय ने कहा कि देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान विचार के पुरोधा श्रद्धेय मुखर्जी जी ने कश्मीर से धारा-370 को हटाने के लिए वीरतापूर्ण व्यापक आंदोलन किया। राष्ट्र की सुरक्षा के लिए उन्हें अपने प्राण त्यागने पड़े। पूर्व प्रत्याशी अर्जित सास्वत ने कहा की डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश के एकता, अखंडता और समग्रता के लिए केन्द्रीय मंत्री का पद त्याग दिया। मात्र 52 वर्ष की उम्र में अदम्य साहसी निर्णय लेकर बलिदान का रास्ता चुन लिया। वहीं उपाध्यक्ष उमाशंकर, एम.एल.सी डॉ एनके यादव, जिला मंत्री मनीष दास ने भी सभा का सम्बोधन किया।

इस दौरान सोनू घोष, रोशन सिंह, राजेश टंडन, भोला मंडल, सज्जन अवस्थी, रामदेव शाह, राजीव मुन्ना अंजना प्रकाश, सरस्वती दास, डॉ अनामिका ठाकुर, नीतू सिंह चौबे, श्रेष्ठ गांधी, प्रेमलता शर्मा, गुड़िया वर्मा, पिंकी बागोरिया, अनूप लाल शाह, मुकेश सिंह, विनोद सिन्हा ,रंजीत शाह, संजीव गुप्ता, चंदन ठाकुर, चंदन कर्ण, गौरव सिन्हा, कन्हैया कुमार, गोपीनाथ, राजकुमार यादव, अंकित भगत, विनीत भगत, बिट्टू कुमार, मंगल मूर्ति, संदीप शर्मा, बजरंग बिहारी आदि कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर चित्र पर पुष्प अर्पित किया।

शिक्षक हितो की रक्षार्थ में संगठन का सदस्यता अभियान आज से प्रारम्भ- धर्मेन्द्र गहलोत

कोलफील्ड मिरर 24 जून (सिरोही): राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत द्वारा सिरोही जिले की पांचो ब्लाकों के संगठन का सदस्यता अभियान के प्रथम चरण 24 जून से जिलाध्यक्ष देवेश खत्री एवं पांचो ब्लाक अध्यक्षों की देखरेख में प्रारम्भ कर पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत सदस्य बढाने के लक्ष्य को पूर्ण करने का परिपत्र जारी कर व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान 15 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।

राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के जिला मंत्री इनामुल हक कुरैशी ने बताया कि सत्र 2024-25 का संगठन का सदस्यता अभियान का प्रथम चरण 24 जून से प्रारम्भ कर दिया जायेगा। सदस्यता अभियान के पर्यवेक्षक डा. हनवन्तसिंह मेडतिया प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहेगे। जिसमें ब्लाकवार कमेटियो का गठन कर व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा हैं। शिवगंज से अध्यक्ष छगनलाल भाटी, रमेश रांगी, जोराराम मेघवाल, देशाराम मीणा, शैतानसिंह देवडा,

रमेश दवे, रतीलाल मीणा, विनोद नैनावत सिरोही से अध्यक्ष इन्दरमल खण्डेलवाल, भीखाराम कोली, रमेश परमार, भगवतसिंह देवडा, वरूण खत्री, रणजीतसिंह, अयुब खान, पिण्डवाडा से अध्यक्ष मनोहरसिंह चैहान, रमेश दहिया, कान्तिलाल मीणा, रघुनाथ मीणा, अमित लोहार, गोपाल रावल, गुरूदीन वर्मा, अशोक मालविय, आबुरोड से अध्यक्ष सत्यनारायण बैरवा, किशोर कुमार, गणेश बामणिया, सविता बैरवा, शाहिस्ता, गोपाल राणा, रेवदर से अध्यक्ष राहुल कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शकील अली, मंत्री धर्मेन्द्र खत्री, विनोद मीणा, हरीश, अशोक कुमार के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जायेगा जिसकी प्रभावी मानिटरिंग जिला कार्यकारिणी द्वारा की जायेगी।

संगठन के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया हैं कि तहसील अध्यक्षों के नेतृत्व में चलाये जा रहे सदस्यता अभियान में पूर्ण सहयोग करते हुए स्वयं पदाधिकारियों के साथ दल गठन कर प्रत्येक पीईईओ क्षेत्र के अधिन स्कुलो में अधिक से अधिक शिक्षकों को सदस्यता अभियान से जोड कर शिक्षक समस्याओं का संकलन कर जिला एवं प्रदेश कार्यकारिणी को लिखित में अवगत करायेंगे। संगठन ने जिले के शिक्षकों से अपील की हैं कि शिक्षक हितों की रक्षार्थ सदैव अग्रणी रहने वाले संगठन के सदस्य बन कर संगठन को मजबूत बनाने की संगठन द्वारा अपिल की गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम साहित्योत्सव 29 जून को

कोलफील्ड मिरर 24 जून (दिल्ली): अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम साहित्योत्सव 29 जून 2024 को अन्तर्राष्ट्रीय संस्था साहित्य अर्पण दुबई व हंसराज कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में होने जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुबई से नेहा शर्मा व हंसराज कॉलेज की प्राचार्य रमा द्वारा की जाएगी कार्यक्रम की रूपरेखा व सम्पूर्ण आयोजन व समन्वय का कार्यभार भावना अरोड़ा 'मिलन' द्वारा किया गया है। साथ में आदरणीय डॉ. रवि गोंड़ जी का भी समन्वय रहा है। कार्यक्रम 2 सत्र में होना निश्चित हुआ है। पहले सत्र में बच्चों द्वारा कार्यक्रम की ओपनिंग होनी निश्चित हुई है। जिसमें मौलिक शर्मा व रेयांश यादव द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की जाएगी। गणेश वंदना समायरा व मायरा द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। प्रथम सत्र में साहित्य व बॉलीवुड दोनों ही विषय पर चर्चा की जाएगी जिसकी सूत्रधार भावना अरोड़ा 'मिलन' हैं साथ में रिटायर्ड ए सी पी वेदभूषण व बॉलीवुड अभिनेता राकेश श्रीवास्तव रहेंगे। दूसरे सत्र की ओपनिंग गीत संगीत से शुरू होगी जिसमें उत्तराखंड के जाने माने गीतकार व संगीतकार अनिल नोडियाल व उनके साथ संगीतकार अखिल बहुगुणा अपनी प्रस्तुति देंगे। उसके बाद बच्चों की बाल चौपाल लगेगी जिसमें बच्चे काव्य पाठ द्वारा सभी के मन को लुभाएंगे। बाल चौपाल की सूत्रधार रुमा रहेंगी। काव्य प्रस्तुति हानिया नियाज़, शीर्षो दत्ता, चारिताक्षी नूनिवाल,पुनीत पासवान, अवनी रायज़ द्वारा दी जाएगी। द्वितीय सत्र के कवि सम्मेलन में आमंत्रित डॉ.अशोक मधुप जी सेलिब्रिटी कवि, विशिष्ट अतिथि विजय गौड़, मुख्य अतिथि नीरजा चतुर्वेदी, अतिथि सुधीर अधीर जी के साथ कवि व कवयित्रियाँ मोहित मुदिता द्विवेदी, विभा सिंह, मनी अभी कुमार, आतिफ रईस सिद्दकी अपनी अपनी उपस्थिति चिन्हित करेंगे। कार्यक्रम में मीडिया सहयोगी के रूप में संदीप द्विवेदी जी, एस. जेड. मालिक व संदीप द्विवेदी रहेंगे। साथ ही इस कार्यक्रम की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी का कार्य प्रांशुल द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम शानदार होने वाला है। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण रहेगा।

मधुपुर स्थित टीएससी बैद एकेडमी खेलकूद से लेकर पढ़ाई में कर रहा बेहतरीन प्रदर्शन

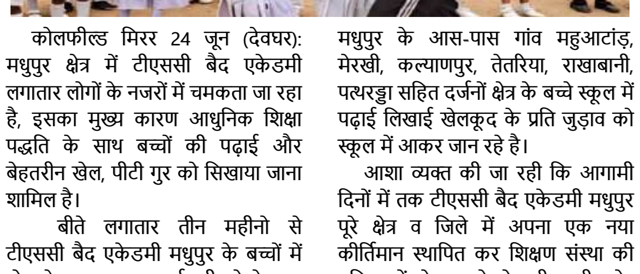

कोलफील्ड मिरर 24 जून (देवघर): मधुपुर क्षेत्र में टीएससी बैद एकेडमी लगातार लोगों के नजरों में चमकता जा रहा है, इसका मुख्य कारण आधुनिक शिक्षा पद्धति के साथ बच्चों की पढ़ाई और बेहतरीन खेल, पीटी गुर को सिखाया जाना शामिल है।

बीते लगातार तीन महीनो से टीएससी बैद एकेडमी मधुपुर के बच्चों में खेल के साथ साथ पढ़ाई, सीखने के गुण लगातार डेवलप हो रहा है। इससे बच्चों की प्रतिभा निखर रही है, साथ ही उसके साथ-साथ पढ़ने सीखने की क्षमता में भी वृद्धि देखी जा रही है, स्कूल के स्पोर्ट्स टीचर मोहम्मद जहांगीर, स्कूल प्रबंधन के अध्यक्ष तारा बैद, ट्रस्टी कुमार विक्रम, परमानंद ठाकुर, विजय राय प्रधानाचार्य अनमोल कुमार समेत दर्जनों शिक्षक स्कूल को आगे बढ़ाने के प्रति नई सोच के साथ हमेशा मेहनत कर रहे है, इसका नतीजा यह है कि मधुपुर के आस-पास गांव महुआटांड़, मेरखी, कल्याणपुर, तेतरिया, राखाबानी, पत्थरड्डा सहित दर्जनों क्षेत्र के बच्चे स्कूल में पढ़ाई लिखाई खेलकूद के प्रति जुड़ाव को स्कूल में आकर जान रहे है।

आशा व्यक्त की जा रही कि आगामी दिनों में तक टीएससी बैद एकेडमी मधुपुर पूरे क्षेत्र व जिले में अपना एक नया कीर्तिमान स्थापित कर शिक्षण संस्था की दुनिया में बेहतर से बेहतरीन की ओर हमेशा अग्रसर रहेगा। स्कूल परिवार में अध्यक्ष तारा बैद, ट्रस्टी कुमार विक्रम, परमानंद ठाकुर, विजय राय, प्रधानाचार्य अनमोल कुमार, वीरेंद्र साही, सुमित सौरभ, सोमनाथ पाल, चंदन चंचल, अनुभव गोस्वामी, भीष्म चौधरी, आभाष कुमार, अवधेश कुमार, पियूष ठाकुर, मोहम्मद जहांगीर, संदीप कुमार, सोनू कुमार, ज्योति कुमारी, शालिनी कुमारी, सृष्टि मोदी आदि शामिल है।

योग में प्रयोग आसनों में बेल्ट का उपयोग

कोलफील्ड मिरर 24 जून (नरसिंहपुर): हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की देन योग का महोत्सव मनाया जाता ऐसे में जो योग से जुड़े और योग संस्थान चला रहे हो उनके लिए तो यह दिन किसी महापर्व से कम नहीं होता है। जब वे लोग जो केवल एक दिन योग दिवस पर ही योग शिविर या योग करते उनमें इतना उत्साह होता तो जो साल के 365 दिन की शुरुआत इसके संग करते उनका आयोजन कुछ विशेष व अलग हटकर होता है। इसके लिए साल भर तैयारियां की जाती और योग को किस तरह अलग व नया रंग दिया जा सकता इस पर चिंतन-मनन कर के उसे दर्शाने की योजना बनाई जाती है। इस साल भी काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर की संचालिकाओं सुश्री इंदु सिंह व नमिता जनोरिया ने दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अनूठे तरीके से मनाने भगवान विष्णु के दस अवतार को योगासनों के माध्यम से दर्शाने का तय किया और सफलतापूर्वक उसके मंचन भी किया जिसे सभी का सकारात्मक प्रतिसाद मिला और सबने इसे बेहद सराहा जिसने इस दिन को सार्थक बना दिया।

इसके अलावा इस दिन पर एक अभिनव प्रयोग करते हुए काया की सहयोगी हिस्सेदार व जूम्बा ट्रेनर नमिता जनोरिया ने बेल्ट का उपयोग करते हुए संस्था की समस्त साधिकाओं को मधुर योगगीत पर संतुलित योगासनों का अभ्यास करवाया जो रिकॉर्ड होकर बड़ा ही खूबसूरत बन पड़ा। हर एक कार्यक्रम के पीछे जब एक सोच व मेहनत छिपी हुई हो तो उसको सफल देखकर प्रसन्नता होती ही है और जब किसी प्रोपेर्टी का उपयोग कर के योगासन किये जाते हैं तो उन्हें करना न केवल आसान होता बल्कि, शरीर भी अधिक लचीला बनता है। स्ट्रेच बेल्ट से मसल्स की बेहतरीन तरीके से स्ट्रेचिंग होती जिससे किसी भी कठिन से कठिन आसन को भी करना सहज व सरल हो जाता है तो इसी उद्देश्य से इसका उपयोग कर यह अभिनव प्रयोग किया गया जिसे सभी ने बेहद सराहा।

योग दिवस

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: योग का शाब्दिक अर्थ मिलन है। तात्पर्य शुद्ध सात्विक भावों के साथ एकाकार मन हैं। योग मानव के अंतर का गहरा विज्ञान हैं। मुक्त भावों से जीने और चेतना के उर्ध्वागमन का सहज साधन और संज्ञान योग हैं। विचारों को भीतर की ओर मोड़ने का जरिया योग है। जीवन की गुणवत्ता बदलने का शर्तिया साधन योग हैं। योग करना यानी हमारे मन-मश्तिष्क में अच्छे गुणों को स्थापित करना हैं जो हमें सही ग़लत के मार्ग दर्शन में सक्षम बनाता हैं। योग हमारे मन मस्तिष्क के स्पंदन को शुद्ध एवं पवित्र रखते हैं एवं इससे स्फूर्ति एवं उत्साह का संचार होता हैं। गुरु महाप्रज्ञ जी की कालज़यी देन प्रेक्षाध्यान हैं जो अपने आप में एक अचूक संजीवनी हैं। जो भी प्रेक्षाध्यान-स्वाध्याय-योगा रूपी नौका अपने गंतव्य, किनारे, मंज़िल तट पाने आदि में समर्थ रहेगा उसके आत्म सपंदन के भावों में सदैव करुणा बहेगी। स्वस्थ जीवन का वरदान योग हैं। वर्तमान में योग को शारीरिक, मानसिक व आत्मिक स्वास्थ्य व शांति के लिए बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दी और 21 जून 2015 को प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। प्रथम बार विश्व योग दिवस के अवसर पर कई देशों में योग का आयोजन किया गया जिसमें कई मुस्लिम देश भी शामिल थे। अतः योग व्यायाम का ऐसा प्रभावशाली प्रकार है जिसके माध्याम से न केवल शरीर के अंगों बल्कि मन, मस्तिष्क और आत्मा में संतुलन बनाया जाता है। यही कारण है कि योग से शारीरिक व्याधियों के अलावा मानसिक समस्याओं से भी निजात पाई जा सकती है। योग को नियमित करने से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य प्राप्त होता है। योग, ध्यान-प्राणायाम नियमित दिन चर्या से स्वयं स्फुरित का फलित है। योग से हमारा जीवन अनुशासन से रहता है। योग से जीवन दीर्घ और स्वस्थ होता हैं वह साथ में शीतलता, निर्मलता आदि भी इसमें उपयोगी होते है। योग की सही परिभाषा चित्त की शुद्धि, मन का ठहराव व विकसित व्यक्तित्व की समग्रता आदि हैं। यही मानवीय व्यक्तित्व का योगमय चरमोत्कर्ष हैं। योग कोई सन्यास नहीं है यह भारत की पुरातन विद्या का शारीरिक, मानसिक एवं सही से भावनात्मक अभ्यास है। जो मानव को मन: शांति, तनावमुक्ति एवं दृढ आत्मविश्वास आदि देता है। योगाभ्यास बहुत ही सुंदर प्रथम सीढ़ी है हमारे आत्मकल्याण की और स्वस्थ और आरोग्य जीवन जीने की कला हैं तो हम आज से ही कम से कम जागृत होकर योगाभ्यास करके अपने आपको निरोग बनाएं। हम मन से, शरीर से और भावों से तन्दुरुस्त होंगे तो हम अपना और अपने आसपास सभी के जीवनोत्थान में सहायक सिद्ध हो सकेंगे।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

कैसे तुमने यह सोच लिया

कैसे तुमने यह सोच लिया, करता हूँ प्यार मैं तुमसे।
फ़क़त तेरा यह वहम है, मुझको है प्यार बहुत तुमसे।।
कैसे तुमने यह सोच लिया---------------------------।।

दिया है ऐसा क्या मुझको, जिससे करूँ तारीफ तेरी।
दिया है मुझको कितना आदर, कि मैं करूँ खिदमत तेरी।।
क्यों मानती है ऐसा तू, चाहता हूँ मिलना मैं तुमसे।
फ़क़त तेरा यह वहम है, मुझको है प्यार बहुत तुमसे।।
कैसे तुमने यह सोच लिया------------------------।।

दुहा यह अक्सर तुमने की, उजड़ जाये चमन मेरा।
लूटा है मुझको बहुत तुमने, किया बदनाम दिल मेरा।।
ऐसे क्यों देखती है तू, जैसे कुछ चाहती है मुझसे।
फ़क़त तेरा यह वहम है, मुझको है प्यार बहुत तुमसे।।
कैसे तुमने यह सोच लिया-----------------------।।

भूल जाना तू वो दिन, मस्ती भरे पल कल के।
वो अपना लड़ना- झगड़ना,सँजोये ख्वाब मंजिल के।।
क्यों ऐसा तू समझती है, चाहता हूँ तुमको दिल से।
फ़क़त तेरा यह वहम है, मुझको है प्यार बहुत तुमसे।।
कैसे तुमने यह सोच लिया----------------------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़
जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

नशे में कौन है?

इस जहां में उपलब्ध है
अलग अलग प्रकार के नशे,
हर कोई बुरी तरह से है फंसे,
किसी को पद का नशा,
किसी को मद का नशा,
किसी को झूठे प्यार का,
किसी को बढ़ते अहंकार का,
कोई सत्ता के नशे में दहाड़ रहा,
कोई कुत्ते की वफादारी को पछाड़ रहा,
इसके असर से कोई दंगा कर रहा,
कोई घूंट घूंट कहर से सिहर रहा,
कोई जातीयता का जहर भर रहा,
शोषित इस आग से मर रहा,
कोई कर रहा आस्थाओं से खिलवाड़,
कोई उड़ेल रहा जहर बेशुमार,
यहां किसको किसकी पड़ी है,
यहां सबकी अपनी हटी पड़ी है,
इन नशों से देशप्रेम का असर टूट रहा,
यहां हर कोई एक दूसरे को लूट रहा,
सुन लो लंगूरों
अपना नशा फेंको या संभालो,
हमारा वजूद इस देश से है
इतनी सी बात तो
अपनी खाली दिमाग में डालो।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़ छग
कोलफील्ड मिरर

योगाभ्यास शरीर को आन्तरिक रूप से स्वस्थ बनाता है

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: शरीर की स्वस्थता, उपचार एवं सुधार के लिए व्यायाम अत्यंत आवश्यक है। यह हड्डियों को मजबूत बनाता है. बीमारियों को बढ़ने से रोकता है, मांस-पेशियों को सुदृढ़ तथा स्वस्थ बनाता है और जोड़ों, नसों तथा स्नायु तन्त्रों को लचीला बनाने में मदद करता है। योगाभ्यास शरीर को आन्तरिक रूप से स्वस्थ बनाता है और मन को शान्ति प्रदान करता है तथा इनका नियमित शारीरिक व्यायाम करना अति आवश्यक है। अभ्यास करने से अनेक प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है। यौगिक क्रिया, आसन तथ्या प्राणायाम योग के भौतिक आधार का गठन करते हैं।

जीवन की समान्य स्थिति बनाए रखने के लिए शारीरिक व्यायाम करना अति आवश्यक है। प्राकृतिक व्यायाम का अभाव कमजोरी तथा अस्वस्थता का एक मुख्य कारक है। व्यायाम शरीर के भीतर रक्त प्रवाह को सुधारता है तथा रक्त की विषकतता को दूर करता है। विभिन्न प्रकार के व्यायाम किए जा सकते हैं - वायुजीव (एरोविक) व्यायाम, स्ट्रेचिंग (खिंचाव) व्यायाम, योगासन आदि। वायुजीव (एरोबिक) व्यायाम जैसे टहलने, तैराकी करने, साइकिल चलाने, दौड़ने आदि में अत्यधिक वायु (सांस) तथा ऑक्सीजन शरीर के भीतर लेनी होती है। स्ट्रेचिंग, व्यायाम न केवल मांसपेशियों तथा जोड़ों में खींचाव तथा फैलाव लात हैं बल्कि यह शरीर के अन्य भागों तथा ग्रन्थियों को मालिश भी करते हैं, सुदृढ़ीकरण तथा शारीरिक संरचना अभ्यास भी शारीरिक स्वायता के लिए सहायक होते है। मांस पेशियों तथा जोड़ों के लिए व्यायामों में योगासन सबसे प्रमुख व्यायाम है। योगासन करने से शरीर स्वस्थ होता है तथा मस्तिष्क को शान्ति मिलती है। यह तनावों को दूर करने में भी सहायक होता है। चाहे वह शारीरिक, मानसिक अथवा भावनात्मक तनाव ही क्यों न हो। यदि व्यायाम को गोली के रूप में पैक किया जा सकता तो यह विश्व में व्यापक रूप से एकमात्र निर्धारित तथा लाभदायक औषधि होता।

"योग" शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत के "युज" शब्द से हुई है जिसका अर्थ है बांधना, प्रहण करना अथवा जोड़ना। इसका अर्थ संगठनन भी है। यह सत्य है कि ईश्वर की इच्छा के साथ हमारी इच्छा संगठित होती है। भारतीय दर्शन को छः परम्परागत प्रणालियों में से योग भी एक प्रणाली है। योग प्रणाली हमें उन कारणों को बताती है जिसके द्वारा "जीवात्मा" (व्यक्तिगत मानव - अन्तरात्मा) "परमात्मा" (सर्वोच्च सार्थचोमिक अन्तरात्मा) में संगति होती है और हमें मोक्ष की ओर ले जाती है।

"व्यक्तित्व का संपूर्ण रूप से विकास ही योग है" - श्रीमद्भगवतगीता,
"ईश्वर के साथ आत्मा का संगठन ही योग है" - श्रीमद्भगवतगीता
"मस्तिष्क की विभिन्न मनोदशाओं में रुकावटें डालना ही योग है" - योगदर्शन,

योग वह पद्धति है जिसके द्वारा अशांत मस्तिष्क को शांति मिलती है और संपूर्ण शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। जैसे एक विशाल नदी में उपयुक्त रुप से बांध तथा नहरें बनाकर एक बड़ा जलाशय बनाया जाता है जो कि दुर्भिक्ष अकाल तथा बाढ़ की रोकथाम करता है और उद्योगों के लिए ऊर्जा उपलब्ध कराता है। इस प्रकार जब मस्तिष्क सन्तुलित होता है तो वह शांति रुपी जलाशय उपलब्ध कराता है तथा मानव का उत्थान काने के लिए पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न करता है। योग का अर्थ मानव का शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक रूप से संपूर्ण विकास करना है। योग का पूरा लाभ प्राप्त करने के अनुक्रम में व्यक्ति का समुचित तरिके से अभ्यास करना आवश्यक है क्योंकि योग एक वैज्ञानिक प्रणाली है। इसलिए इसको एक विशिष्ट तरीके से करने की आवश्यकता है। यदि आसन, प्राणायाम, बंध तथा मुद्रा को प्रचलित विधि के अनुसार नहीं किया जाता है तो यह केवल अभ्यास ही रह जाएगा तथा इसके संतोषजनक परिणाम नहीं होंगे।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
"सहज़" हरदा मध्यप्रदेश

विज़न 2047 के स्पीड ब्रेकर रूपी पेपर लीक पर तात्कालिक स्थाई कार्यवाही रूपी बुलडोजर चलाना समय की मांग

पूरे देश में पेपर लीक को लेकर कोहराम मचा-7 वर्षों में 70 पेपर लीक का इतिहास कैसे रचा?

नेट व नीट 2024 के संभावित पेपर लीक से 35 लाख छात्रों पर पड़ने वाले भारी दुष्परिणाम के जिम्मेदार दोषियों को शीघ्र सख्त सजा देना जरूरी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 24 जून (गोंदिया): पूरे भारत में पिछले कुछ दिनों से पेपर लीक की फिर वही स्थितियां दोहराई जा रही है और पूरे देश में यूजीसी नेट व नीट यूजी पेपर लिक को लेकर कोहराम मचा हुआ है। अनेक हाईकोर्ट्स से लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए के खिलाफ सख्त टिप्पणी भी की है केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने 20 जून 2024 को रात्रि 8 बजे से उपर तक चली प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरी सफाई दी ग्रेस मार्क हटा देने से सुलझा मामला बताया। 23 जून 2024 को उनकी परीक्षा है। 30 जून को रिजल्ट आएगा व 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में नीट यूजी मामले की पहली सुनवाई होगी, तब तक काउंसलिंग पर रोक नहीं लगाई गई है। उधर विपक्षी पार्टियों व युवा नेता लगातार शाब्दिक हमले कर रहे हैं किपरीक्षा पर चर्चा में आकर टिप्स देने वाले आज छात्रों की मुश्किल घड़ी में छुपी धारण किए हुए हैं। रूस यूक्रेन इसराइल हमास मामले में एक झटके में युद्ध रोकने वाले अपने ही घर में पेपर लीक नहीं रुकवा पा रहे हैं इत्यादि सभी बातें आज दिन भर प्रिंट इलेक्ट्रानिक व सोशल मीडिया व टीवी चैनलों पर चलती रही जिसे मैं बहुत ध्यान व गंभीरता से देख पढ़ व सुना और मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि यह पूरे जो मामले की मशक्कत हो रही है यह हर बार होता रहता है। अब समय आ गया है, इस पेपर लीक का स्थाई समाधान करना जरूरी है, क्योंकि मीडिया में मैंने पढ़ा पिछले 7 वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक मामले आ चुके हैं जिससे 1.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए हैं जो एक दुखद बात है। मैंने टीवी चैनलों पर छात्रों से ग्राउंड रिपोर्टिंग पर की गई बातचीत सुनी तो दिल पसीज उठा कि आखिर हम आज विजन 2047, 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था वह पूर्ण विकसित देश की बात कर रहे हैं और जो इन विजन को पूरा करने वाले हैं वह आज के छात्र हैं, जो कल वैज्ञानिक इंजीनियर डॉक्टर तकनीकी इत्यादि विशेषज्ञ बनने जा रहे हैं परंतु यदि वे ही पेपर लीक माध्यम वाले होंगे और वास्तविक इंटेलिजेंट छात्र फुटपाथ पर पकोड़े तलेंगे तो फिर हमारी बात दूर की कौड़ी साबित होगी, जिसे गंभीरता से रेखांकित करना होगा। क्योंकि यह बात ग्राउंड रिपोर्टिंग पर छात्रों ने कही है। चूंकि आज पूरे देश में पेपर लीक मामले का कोहराम मचा हुआ है। 7 वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक वह 1.5 0 करोड लोग इससे प्रभावित हुए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विजन 2047 के स्पीड ब्रेकर रूपी पेपर लीक पर तात्कालिक स्थाई कार्यवाही रूपी बुलडोजर चलाना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे मुद्दे व गतिविधियों को समझनेकी करें तो, नीट परीक्षा देने वालेछात्रों के लिए बड़ी खबर, फिर सेएग्जाम होने पर किया जा सकता है याने संभावना हो सकती है। नीटपरीक्षा से बिगड़ रही साख को बचाने शिक्षा मंत्रालय सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है। फिलहाल जोजानकारी सामने आयी है उसके अनुसार मंत्रालय ने छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन सभी विकल्पों पर गौर करने को कहा है कि जिसमें फिर से परीक्षा कराने जैसे विकल्प भी शामिल है। हालांकि अभी इस पर किसी तरह का कोई निर्णय नहीं लिया गया है मेडिकल में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी में गड़बड़ियो के लग रहे नए-नए आरोपों और सुप्रीम कोर्ट की मंगलवार को आई तल्ख टिप्पणी के बाद शिक्षा मंत्रालय पूरी तरह से हरकत में दिखा। शिक्षा मंत्री ने खुद इस मुद्दे पर आला अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। जिसमें नीट से जुड़े विवाद के सभी पहलुओं पर गंभीरता से चर्चा हुई है। फिलहाल जो जानकारी सामने आयी है उसके अनुसार मंत्रालय ने छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन सभी विकल्पों पर गौर करने को कहा है कि जिसमें फिर से परीक्षा कराने जैसे विकल्प भी शामिल है। हालांकि, अभी इस पर किसी तरह का कोई निर्णय नहीं लिया गया है मंत्रालय से जुड़े सूत्रों की मानें तो केंद्रीय मंत्री प्रधान इस दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के रवैए को लेकर भारी नाराज है। उनका मानना था कि एनटीए को परीक्षा को लेकर जिस तरह से पारदर्शिता रखना चाहिए था और गड़बड़ियों के सामने आने पर आगे बढ़कर काम करना था जो उनसे नहीं किया।...माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट में आठ जुलाई को नीट मामले की प्रस्तावित सुनवाई के बाद इस मामले में एनटीए के आला अधिकारियों पर गाज गिरना तय है। जिसमें एनटीए डीजी पर भी इस मामले में बड़ी कार्रवाई हो सकती है। शिक्षामंत्री प्रधान लगातार एनटीए को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए और कह रहे हैं कि यदि इनमें एनटीए की गड़बड़ी मिली तो उसे भी जवाबदेह बनाएंगे और जो भी इसमें शामिल होगा, उसे छोड़ेंगे नहीं। मीडिया की मानें तो मंत्रालय ने इस सभी विकल्पों को लेकर अधिकारियों से फीडबैक ली है कि कौन-सा विकल्प छात्रों के ज्यादा हित में रहेगा। हालांकि अभी किसी तरह का अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। लेकिन जो संकेत दिए जा रहे है, उसके तहत इन पर जल्द ही कोई निर्णय लिया जा सकता है। मंत्रालय का मानना है कि इस मुद्दे के ज्यादा लंबा खिंचने से उसकी साख खराब हो रही है।गौरतलब है कि एनटीए ने हाल ही में ग्रेस मार्क्स वापस लेने के बाद ग्रेस मार्क्स पाए सभी 1563 छात्रों को फिर से परीक्षा का विकल्प दिया है। जो 23 जून को प्रस्तावित है, जबकि रिजल्ट 30 जून को आएगा। हालांकि जिस तरह से परीक्षा में शामिल बाकी छात्रों के विकल्प पर फिर से चर्चा हुई है, उससे इस परीक्षा को लेकर संदेह के बादल उठने लगे है।

साथियों बात अगर हम 20 जून देर रात तक चली केंद्रीय शिक्षा मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस की करें तो, केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, बहुत सारे लोगों की नाराजगी मेरे पास आती है, उनकी नाराजगी वाजिब है। मैं इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेता हूं। लॉ के हिसाब से जो भी रास्ते होंगे उसे करना सरकार का दायित्व होगा उन्होंने कहा,मेरे पास इस जिम्मेदारी से हटने का कोई कारण है। देश के भविष्ट को सुरक्षित करना पड़ेगा। पारदर्शिता को मेंटेन करना पड़ेगा. बिहार पुलिस कुछ जांच कर रही है. पूरी प्रकिया के बाद जो भी जिम्मेदार होगा उस पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, पटना पुलिस का काम सराहनीय है, कुछ जानकारी आना अभी बचा है. लाखों मेधावी गरीब विद्यार्थियों की बात है. हम ऐसा कुछ न करें कि हमारे देश के बच्चों का भविष्ट कटघरे में आ जाए, उन्होंने कहा, आईसोलेटेड घटना के लिए उनके करियर को होस्टेज में न रखा जाए। किसी भी गुनहगार को हम नहीं छोड़ेंगे. कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, कुछ खास क्षेत्र में गड़बड़ी हुई है। विद्यार्थी हमारे देश के भविष्य हैं। संवेदनशील चीजों को लेकर अफवाहें नहीं फैलाया जाए। सारे चीजों को राजनीतिक दृष्टि से नहीं देखी जानी चाहिए।

साथियों बात अगर हम मामले में विपक्ष के रुख की करें तो, आरजेडी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, नीट के मास्टरमाइंड स्वीकार कर चुके है कि उन्होंने नीट परीक्षा का प्रश्न पत्र एक दिन पहले ही उनके अभिभावकों और दलालों के मार्फ़त परीक्षार्थियों को उपलब्ध करा दिया था। बिहार पुलिस के समक्ष पकड़े गए परीक्षार्थी भी स्वीकार कर रहे है कि परीक्षा के एक दिन पहले प्रश्नपत्र उन्हें दिए गए और लीक माफिया द्वारा उन्हें सभी उत्तर भी रटा दिए गए थे और वही पेपर और सभी सवाल परीक्षा में भी आए थे लेकिन अभी भी एनटीए पेपर लीक से इंकार कर रही है। हरियाणा और गुजरात में भी यही हुआ। हरियाणा में तो नेता से संबंधित एक ही परीक्षा केंद्र से 6 परीक्षार्थियों ने टॉप किया। इतने सबूत होने के बावजूद भी सरकार 30 लाख छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। संसद में सरकार को घेरने का युआ को अच्छा मौका मिल गया है।मान कर चलना चाहिये इस मुद्दे पर युवा नेता को पूरे विपक्ष का साथ मिलेगा। शेयर बाजार के मामले में वो जेपीसी से जांच कराने की मांग कर चुके हैं। मुश्किल ये है कि जेपीसी जांच के नाम पर राहुल गांधी को पूरे विपक्ष का साथ नहीं मिलता है. अडानी के मामले में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी तैयार नहीं हुई थी।अब अगर पेपर लीक के मामले को वो व्यापम जैसा बता रहे हैं, तो जाहिर है इस मामले में भी जेपीसी जैसी जांच की मांग कर सकते हैं। 24 जून को संसद सत्र शुरू हो रहा है, और पेपर लीक को लेकर पूरे देश में कोहराम मचा हुआ है - कांग्रेस नेता याने युवा नेता को कठघरे में खड़ा करते हुए कटाक्ष किया है कि सुना है कि वो यूक्रेन वॉर तक रोक देते हैं, लेकिन देश में पेपर लीक क्यों नहीं रोक पा रहे हैं - या वो रोकना ही नहीं चाहते?

साथियों बात अगर हम सरकार के पास इस मामले केअल्टरनेट्स की करें तो, केंद्र सरकार ने यूजीसी-नेट तो रद्द कर दिया है, नीट के मामले की जांच के लिए एक स्पेशल पैनल बनाया गया है - वैसे भी ये मामला ऐसा विकराल रूप ले चुका है कि मोदी सरकार के पास निजात पाने के बहुत कम विकल्प बचे लगते हैं। (1) सूत्रों के हवाले से आई कुछ मीडिया रिपोर्ट से पता चलता है कि नीट एग्जाम से सरकार की साख पर आई आंच से बचने के लिए शिक्षा मंत्रालय तमाम विकल्पों पर विचार कर रहा है - और इसी क्रम में नीट परीक्षा फिर से कराये जाने पर भी विचार किया जा रहा है. हालांकि, ये मामला अभी किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सका है।(2) हो सकता है सुप्रीम कोर्ट में 8 जुलाई को नीट केस की सुनवाई के बाद एनटीए के महानिदेशक सहित आला अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेकर रस्म अदायगी कर दी जाये।

अतः अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विज़न 2047 के स्पीड ब्रेकर रूपी पेपर लीक पर तात्कालिक स्थाई कार्यवाही रूपी बुलडोजर चलाना समय की मांग।पूरे देश में पेपर लीक को लेकर कोहराम मचा-7 वर्षों में 70 पेपर लीक का इतिहास कैसे रचा?नेट व नीट 2024 के संभावित पेपर लीक से 35 लाख छात्रों पर पड़ने वाले भारी दुष्परिणाम के जिम्मेदार दोषियों को शीघ्र सख्त सजा देना जरूरी।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

योग: सनातन धर्म की अप्रतिम देन

कोलफील्ड मिरर 24 जून 2024: योग की परम्परा अत्यन्त प्राचीन है और इसकी उत्पति तकरीबन छब्बीस हजार वर्ष पूर्व हुई थी ऐसा माना जाता है। योग के जनक या पित्र पुरुष पतंजलि ऋषि हैं। कहा जाता है कि जब से सभ्यता शुरू हुई है तभी से योग किया जा रहा है। योग सनातन धर्म की अप्रतिम धरोहर है। इसे आज सारा विश्व वैज्ञानिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी मानता है, और पूरी शिद्दत से मान्यता देता है। तभी तो आज विश्व का प्रत्येक देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।

योग विद्या में भगवान शिव को "आदि योगी" व "आदि गुरू" माना जाता है। भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि-मुनियों से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है। बाद में कृष्ण, महावीर और बुद्ध ने इसे अपनी तरह से विस्तार दिया। इसके पश्चात पतञ्जलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। इस रूप को ही आगे चलकर सिद्धपंथ, शैवपंथ, नाथपंथ, वैष्णव और शाक्त पंथियों ने अपने-अपने तरीके से विस्तार दिया।

योग से सम्बन्धित सबसे प्राचीन ऐतिहासिक साक्ष्य सिन्धु घाटी सभ्यता से प्राप्त वस्तुएँ हैं, जिनकी शारीरिक मुद्राएँ और आसन उस काल में योग के अस्तित्व के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। योग के इतिहास पर यदि हम दृष्टिपात करे तो इसके प्रारम्भ या अन्त का कोई प्रमाण नही मिलता, लेकिन योग का वर्णन सर्वप्रथम वेदों में मिलता है और वेद सबसे प्राचीन साहित्य माने जाते है। यह गर्व का विषय है कि योग की शुरुआत भारत में हुई थी, आज के समय में भारत देश के कई राज्यों में योग में ध्यान दिया जा रहा है। जिसमे सबसे आगे उत्तराखंड राज्य है, राज्य के प्रमुख धार्मिक नगर ऋषिकेश को योग नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर गत कई वर्षों से योग गुरु रामदेव ने योग के प्रचार प्रसार और प्रयोग के लिए अनेक कार्य किए हैं।

योग सही तरह से जीने का विज्ञान है और इस लिए इसे दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक, आदि सभी पहलुओं पर काम करता है। योग का अर्थ एकता या बांधना है। इस शब्द की जड़ है संस्कृत शब्द युज, जिसका मतलब है जुड़ना। आध्यात्मिक स्तर पर इस जुड़ने का अर्थ है सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का एक होना। व्यावहारिक स्तर पर, योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने और तालमेल बनाने का एक साधन है। यह योग या एकता आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बँध, षट्कर्म और ध्यान के अभ्यास के माध्यम से प्राप्त होती है। तो योग जीने का एक तरीका भी है और अपने आप में परम उद्देश्य भी। योग सबसे पहले लाभ पहुँचाता है बाहरी शरीर को, जो ज्यादातर लोगों के लिए एक व्यावहारिक और क्रियात्मक पहलू है तो वही यह आंतरिक रूप से ध्यान और मस्तिष्क को भी पूरी तरह से प्रभावित करता है। हम अनुभव करते है, तो अंग,स्तर पर योग मानसिक और भावनात्मक स्तरों पर काम करता है। रोज़मर्रा की जिंदगी के तनाव और बातचीत के परिणामस्वरूप बहुत से लोग अनेक मानसिक परेशानियों से पीड़ित रहते हैं। योग इनका इलाज शायद तुरंत नहीं प्रदान करता लेकिन इनसे मुकाबला करने के लिए यह सिद्ध विधि है।

पिछली सदी में, हठ योग बहुत प्रसिद्ध और प्रचलित हो गया था। लेकिन योग के सही मतलब और संपूर्ण ज्ञान के बारे में जागरूकता अब जाकर लगातार बढ़ रही है। शारीरिक और मानसिक उपचार योग के सबसे अधिक ज्ञात लाभों में से एक है। यह इतना शक्तिशाली और प्रभावी इसलिए है क्योंकि यह सद्भाव और एकीकरण के सिद्धांतों पर काम करता है। योग अस्थमा, मधुमेह, रक्तचाप, गठिया, पाचन विकार और अन्य बीमारियों में चिकित्सा के एक सफल विकल्प है, ख़ास तौर से वहाँ जहाँ आधुनिक विज्ञान आजतक उपचार देने में सफल नहीं हुआ है। एड्स पर योग के प्रभावों पर अनुसंधान वर्तमान में आशाजनक परिणाम दे रहे हैं। चिकित्सा वैज्ञानिकों के अनुसार, योग चिकित्सा तंत्रिका और अंतःस्रावी तंत्र में बनाए गए संतुलन के कारण सफल होती है। जो शरीर के अन्य सभी प्रणालियों और अंगों को सीधे प्रभावित करती है।

अधिकांश लोगों के लिए, हालांकि, योग केवल तनावपूर्ण जीवन में स्वस्थ रहने का मुख्य साधन हैं। योग बुरी आदतों के प्रभावों को उलट देता है,जैसे कि सारे दिन कुर्सी पर बैठे रहना, मोबाइल फोन को ज़्यादा इस्तेमाल करना, व्यायाम ना करना, ग़लत ख़ान-पान रखना इत्यादि। इनके अलावा योग के कई आध्यात्मिक लाभ भी हैं। इसे पूरा लिखना आसान नहीं है, क्योंकि यह आपको स्वयं योग अभ्यास करके हासिल और फिर महसूस करने पड़ेंगे। हर व्यक्ति को योग अलग रूप से लाभ पहुँचाता है। तो योग को अवश्य अपनायें और अपनी मानसिक, भौतिक, आत्मिक और अध्यात्मिक सेहत में सुधार लायें।

अगर आप ये निम्न कुछ सरल नियमों का पालन करेंगे, तो अवश्य योग अभ्यास का लाभ उठा पाएँगे। टीप:-अच्छा होगा किसी गुरु के निर्देशन में अभ्यास शुरू करें। सूर्योदय या सूर्यास्त के वक्त योग का सही समय है। योग करने से पहले स्नान ज़रूर करें।योग खाली पेट करें। योग करने से दो घंटे पहले कुछ ना खायें। आरामदायक सूती कपड़े पहनें।

तन की तरह मन भी स्वच्छ होना चाहिए। योग करने से पहले सब बुरे ख़याल दिमाग़ से निकाल दें।

किसी शांत वातावरण और सॉफ जगह में योग अभ्यास करें। एक चटाई या दरी स्वच्छ पर आसन स्वरूप बिछा लें। अपना पूरा ध्यान अपने योग अभ्यास पर ही केंद्रित रखें। योग अभ्यास धैर्य और दृढ़ता से करें।अपने शरीर के साथ ज़बरदस्ती बिल्कुल ना करें।

निरंतर योग अभ्यास जारी रखें। योग करने के आधा घंटा बाद तक कुछ ना खायें एवं एक घंटे तक न नहायें। धीरज रखें। योग के लाभ महसूस होने मे वक़्त लगता है।

प्राणायाम हमेशा आसन अभ्यास करने के बाद करें। अगर कोई मेडिकल तकलीफ़ हो तो पहले डॉक्टर से ज़रूर सलाह लें। अगर तकलीफ़ बढ़ने लगे या कोई नई तकलीफ़ हो जाए तो तुरंत योग अभ्यास रोक दें। योगाभ्यास के अंत में हमेशा शवासन करें।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"